RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | सोमवार , 29 जून 2026 | वर्ष: 04, अंक: 101 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत की नजर में सेशेल्स एक विशाल महासागरीय राष्ट्र है: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स की नेशनल असेंबली को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने

विक्टोरिया (सेशेल्स)/एजेंसी
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सेशेल्स की नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और सेशेल्स के संबंध केवल 50 वर्षों के नहीं बल्कि इनकी जड़ें अगस्त 1770 तक जाती हैं, जब थेलेमाक नामक जहाज से पांच भारतीय पहली बार यहां पहुंचे थे। दुनिया भले ही सेशेल्स को हिंद महासागर स्थित छोटे-छोटे द्वीपों के समूह के रूप में देखती हो लेकिन भारत की नजर में सेशेल्स एक विशाल महासागरीय राष्ट्र है, जिसकी भूमिका हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर सेशेल्स पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स की नेशनल असेंबली को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह उनके लिए विशेष सम्मान का क्षण है। उन्होंने स्पीकर सिल्वेन लिबेआन, सरकारी कामकाज के नेता बर्नार्ड जॉर्जेस, विपक्ष के नेता, सांसदों और सेशेल्स की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि वह भारत के 1.4 अरब लोगों की शुभकामनाएं लेकर आए हैं।

साल 2015 में प्रधानमंत्री बनने के बाद हिंद महासागर क्षेत्र में उनकी पहली यात्रा सेशेल्स की ही थी और एक दशक बाद यहां लौटने पर उनका यह विश्वास और मजबूत हुआ है कि हिंद महासागर के लिए भारत के दृष्टिकोण में सेशेल्स की विशेष और केंद्रीय भूमिका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह सेशेल्स की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती के अवसर पर यहां उपस्थित होकर प्रसन्न हैं।

भारत और सेशेल्स का रिश्ता केवल कूटनीतिक संबंधों तक सीमित नहीं है बल्कि यह साझा इतिहास, विश्वास, समुद्री सहयोग और जन-जन के संबंधों पर आधारित है।

भारत और सेशेल्स का भविष्य परस्पर जुड़ा हुआ है : पीएम मोदी

भारत और सेशेल्स का भविष्य परस्पर जुड़ा हुआ है और दोनों देश हिंद महासागर क्षेत्र को सुरक्षित, स्थिर और समृद्ध बनाने के लिए साथ मिलकर काम करते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने भारत के म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ अक्रॉस रीजन (महासागर) विजन जिक्र करते हुए कहा कि यह दृष्टिकोण इस विश्वास पर आधारित है कि क्षेत्रीय देशों की सुरक्षा और विकास एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। भारत और सेशेल्स हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि के लिए मिलकर कार्य कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि लोग मानचित्र पर सेशेल्स को एक छोटे द्वीपीय देश के रूप में देखते हैं लेकिन वास्तविकता इससे कहीं बड़ी है। सेशेल्स का समुद्री क्षेत्र लगभग 14 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसलिए इसे छोटा द्वीपीय देश नहीं बल्कि एक बड़ा महासागरीय राष्ट्र कहा जाना चाहिए।

भारत और सेशेल्स के बीच सहयोग लगातार मजबूत

ब्लू इकोनॉमी वैश्विक विमर्श का विषय बनने से बहुत पहले सेशेल्स समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण और ब्लू बॉन्ड जैसे नवाचारों के माध्यम से दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि समुद्री सुरक्षा, क्षमता निर्माण, हाइड्रोग्राफी और समुद्री क्षेत्र की निगरानी के क्षेत्र में भारत और सेशेल्स के बीच सहयोग लगातार मजबूत हुआ है। दोनों देशों का सहयोग सुरक्षित और स्थिर हिंद महासागर क्षेत्र के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। एक समुद्री राष्ट्र की सुरक्षा दूसरे की सुरक्षा से जुड़ी है, एक की समृद्धि दूसरे की समृद्धि को मजबूत करती है और क्षेत्रीय स्थिरता सभी के हित में है। उन्होंने कहा कि यह वर्ष भारत-सेशेल्स संबंधों की गहराई का महत्वपूर्ण प्रतीक है। 50 वर्ष पहले जब सेशेल्स स्वतंत्र हुआ था।

मोदी को सेशेल्स का 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' सम्मान

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक खास समारोह में रविवार को सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी ने प्रतिष्ठित सम्मान गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन से सम्मानित किया। यह सम्मान प्रधानमंत्री को उनकी ग्रीन लीडरशिप (पर्यावरण-अनुकूल नेतृत्व), विकासशील देशों के हितों को आगे बढ़ाने की कोशिशों और 'ब्लू इकोनॉमी' (समुद्री अर्थव्यवस्था), जलवायु कार्रवाई, समुद्री संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन और छोटे द्वीपीय विकासशील देशों की विकास संबंधी आकांक्षाओं को बढ़ावा देने की उनकी लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता के लिए दिया गया है। यह पहली बार है जब यह खास सम्मान दिया गया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री ने यह सम्मान उन सभी देशों को समर्पित किया जो पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह सम्मान, ऐसे समय में जब दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों के 50 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, उनकी खास दोस्ती को और मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी को अब तक 34 देश अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं

मंत्रालय के अनुसार यह सम्मान एक हरित ग्रह के प्रति प्रधानमंत्री की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को मान्यता देता है। इसमें इंटरनेशनल सोलर अलायंस, मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली), 'एक पेड़ माँ के नाम', इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस आदि शामिल हैं। यह सम्मान टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री को मिले ऐसे सम्मानों की कड़ी में सबसे नया है। इससे पहले उन्हें एफएओ का एग्रीकोला मेडल, सियोल शांति पुरस्कार और यूएन का 'चैंपियन ऑफ द अर्थ' पुरस्कार मिल चुका है। मंत्रालय का कहना है कि यह सम्मान इस बात को रेखांकित करता है कि सेशेल्स, क्षमता निर्माण, पर्यावरण संबंधी कार्रवाई, टिकाऊ विकास की पहलों और हिंद महासागर क्षेत्र में साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में भारत की बढ़ती भूमिका को एक भरोसेमंद साझेदार के तौर पर कितना महत्व देता है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी को अब तक 34 देश अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं।

'मेड इन इंडिया' सिर्फ लेबल नहीं, क्वालिटी और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक : गोयल

नई दिल्ली/एजेंसी
केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मेड इन इंडिया केवल उत्पाद पर अंकित लेबल नहीं बल्कि गुणवत्ता के प्रति भारत की प्रतिष्ठा और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। गुणवत्ता केवल कंपनियों के प्रदर्शन का पैमाना नहीं बल्कि देश के प्रति राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने लंदन में 27 जून को आयोजित एक कारोबारी सत्र में तमिलनाडु के अंबूर स्थित फ्लोरेंस शू कंपनी के संस्थापक अकील अहमद पनारूना की सफलता का उल्लेख करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्यमी विश्वस्तरीय विनिर्माण के जरिये ह्यब्रांड इंडियाह्ण की छवि को वैश्विक स्तर पर मजबूत कर रहे हैं। गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय ग्राहक ने काहिरा एयरपोर्ट पर लक्जरी ब्रांड ह्यूगो बॉस का एक जूता देखा। उसको जूते पर लगे लेबल की जांच करने पर उस पर मेड इन इंडिया अंकित मिला। यह जूता अंबूर स्थित फ्लोरेंस शू कंपनी में तैयार किया गया था। उन्होंने कहा, जब किसी उत्पाद पर मेड इन इंडिया लिखा होता है तो वह केवल एक कंपनी का नहीं बल्कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। गोयल ने कहा कि अकील जैसे उद्यमियों के लिए गुणवत्ता कारोबारी मानक के साथ राष्ट्र के सम्मान और भरोसे से जुड़ी जिम्मेदारी है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक्स पोस्ट पर साझा संदेश में कहा कि पनारूना ने भारतीय कारीगरी को दुनिया के प्रतिष्ठित ब्रांड तक पहुंचाने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित किया है।

पांच चोरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, नगदी सामान बरामद

थाना पश्चिम शरीरा व सराय अकिल पुलिस ने चोरी की कई घटनाओं का किया खुलासा

हनुमान प्रसाद शुक्ल

कौशांबी। कप्तान के निर्देश पर थाना पश्चिम शरीरा व सराय अकिल पुलिस चोरी के आरोपियों की तलाश में मुखबिर की सूचना पर चोरी की कई घटनाओं का खुलासा करते हुए पांच चोरी के आरोपी को गिरफ्तार कर सामान बरामद करते हुए जेल भेज दिया।

दिनांक 16 मई को थाना पश्चिम शरीरा पर वादी मान सिंह पुत्र स्व0 रामसजीवन लोधी निवासी लोधन का पूरा मजरा पश्चिम शरीरा थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि बीती रात अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेरे घर के पीछे की दीवार पर सेंध करके दरवाजे की कुण्डी खोलकर चांदी के आभूषण व नगद रुपये चोरी कर लिया गया है । दिनांक 8 जून को वादिनी कमला देवी पत्नी श्रीराम सिंह निवासी वार्ड नंबर 13 नगर पश्चिम पूरब पश्चिम शरीरा थाना पश्चिम शरीरा द्वारा सूचना दी गयी कि आठ जून की रात्रि अज्ञात चोरों द्वारा वादिनी के घर में घुसकर ताला तोड़कर कमरे में रखी अलमारी व बक्सों का ताला तोड़कर उसमें रखे सोने चांदी के जेवरात व नगद रुपये चोरी कर लिया गया है ।

थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी कि को मुखबिर खास की सूचना पर अभियुक्त रविनंदन सिंह पुत्र राममिलन सिंह निवासी गुवारा तैय्यबपुर थाना करारी जनपद कौशाम्बी लोधन का पुरवा रोड पीएचसी हॉस्पिटल के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से चोरी का 9,000/- रुपए नगद बरामद किया ।

16 मई को थाना सराय अकिल पर वादी विशाल जैन पुत्र स्व0 अनिल कुमार जैन निवासी पनारा गोपालपुर थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि मैं अपनी ससुराल में अपने साले की शादी में परिवार सहित सम्मलित होने गया था , दिनांक 14.05.2026 को वापस अपने घर आने पर देखा कि सारा सामान बिखरा पड़ा है तथा अलमारी से पैसे व गहने गायब हैं ।

रविवार को थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी कि को मुखबिर खास की सूचना पर अभियुक्त कुलदीप केशरवानी पुत्र भगवत प्रसाद निवासी पनारा गोपालपुर थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी को धाना मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया तथा बाल अपचारी को नियमानुसार पुलिस अभिरक्षा में लिया गया । अभियुक्त के कब्जे से 20,300/- रुपए नगद बरामद किया गया ।

धोखाधड़ी कर फर्जी बैनामा कराने का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना खागा पुलिस द्वारा धोखाधड़ी थाना खागा जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त-1. रवि कुमार पुत्र कंचनलाल निवासी शिशु मंदिर कॉलोनी भरवारी थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी उम्र करीब 27 वर्ष को आरटीओ ऑफिस के पास, ग्राम कोर्रई, थाना मंझनपुर, जनपद कौशाम्बी से गिरफ्तार कर रविवार को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

पूछताछ करने पर अभियुक्त रवि कुमार पुत्र कंचनलाल निवासी शिशु मंदिर कॉलोनी भरवारी थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी द्वारा बताया गया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर कस्बा खागा स्थित वादी मुकदमा की भूमि के संबंध में कूटरचित दस्तावेज तैयार कराए थे। अभियुक्त ने अपने साथी हीरालाल को वादी मुकदमा योगेन्द्र दत्त त्रिपाठी बनाकर फर्जी कागजात तैयार कराए तथा उक्त भूमि का बैनामा अपने साथी संजय कुमार के नाम कराया। तत्पश्चात लगभग 25 दिन बाद उक्त भूमि का पुनः बैनामा संजय कुमार से अपने नाम करा लिया। अभियुक्त द्वारा अपना अपराध स्वीकार करते हुए घटना में संलिप्तता स्वीकार की गई।

दिनदहाड़े युवक की चाकू मारकर हत्या: कोल्ड ड्रिंक पीने जा रहा था, मामूली विवाद में किया हमला

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर । मंडावर थाना क्षेत्र के कोहरपुर गांव में रविवार को दिनदहाड़े एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। यह वारदात मामूली विवाद के चलते हुई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रविवार सुबह करीब 9 बजे हुई। मृतक की पहचान कोहरपुर गांव निवासी 19 वर्षीय बिट्टू पुत्र चरन के रूप में हुई है। बिट्टू अपने एक साथी के साथ गांव की दुकान पर कोल्ड ड्रिंक पीने जा रहा था। इसी दौरान गांव के ही सुरेंद्र ने अपने बेटों के साथ मिलकर बिट्टू के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। आरोप है कि सुरेंद्र ने चाकू से वार कर बिट्टू की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

घटना की सूचना पर सीओ सिटी अभय पांडे, मंडावर थाना अध्यक्ष संजय तोमर, पुलिस बल और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मृतक बिट्टू अपने माता-पिता के पांच बेटों और एक बेटी में दूसरे नंबर का था। वह गांव में मजदूरी करता था। मृतक के पिता चरन ने बताया कि सुरेंद्र ने अपने बेटों अमित और नीटू के साथ मिलकर उनके बेटे की हत्या की है।

चरन ने यह भी आरोप लगाया कि सुरेंद्र ने पहले भी बिट्टू के साथ मारपीट की थी। इसकी शिकायत पुलिस से की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आरोपी रसूखदार है और वे गरीब लोग हैं, इसलिए उनकी कहीं सुनवाई नहीं हुई।

सीओ सिटी अभय पांडे ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

दो बूंद जिंदगी की: सीएचसी स्योहारा में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, 35,654 बच्चों को पिलाई जाएगी खुराक

बिजनौर। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में पोलियो बूथों का शुभारंभ किया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने फीता काटकर अभियान का शुभारंभ किया और अपने हाथों से बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि "दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत रहे बरकरार" के संकल्प के साथ अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाया जाएगा।

डॉ. बी.के. स्नेही ने बताया कि 29 जून से 3 जुलाई तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी। इसके बाद 6 जुलाई को छूटे हुए बच्चों के लिए बी-टीम के माध्यम से विशेष अभियान चलाया जाएगा, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की दवा पीने से वंचित न रह जाए।

उन्होंने बताया कि ब्लॉक स्योहारा में इस अभियान के तहत 35,654 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के पहले दिन समाचार लिखे जाने तक लगभग 15 हजार बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा चुकी थी।

सीएचसी स्योहारा के स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी (आईओ) वीर सिंह ने बताया कि पूरे ब्लॉक में 151 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। अभियान की निगरानी के लिए 29 सुपरवाइजर, 4 सेक्टर प्रभारी, 86 घर-घर भ्रमण करने वाली टीमें, 2 मोबाइल टीमें तथा 8 ट्रांजिट टीमें लगाई गई हैं। सभी टीमें माइक्रोप्लान के अनुसार कार्य करेंगी, जिससे लक्षित आयु वर्ग का कोई भी बच्चा छूटने न पाए।

डॉ. स्नेही ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि अभियान के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि उन्हें इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखा जा सके।

अभियान के दौरान डब्ल्यूएचओ मॉनिटर मोहम्मद मुस्तकीम ने 13 पोलियो बूथों का निरीक्षण किया और सभी बूथों पर अभियान सुचारु रूप से संचालित होता पाया। शाम को सीएचसी स्योहारा में डॉ. बी.के. स्नेही की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी सुपरवाइजरों को अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य मोहम्मद नफीस अहमद, एएनएम पूजा देवी, अनीता देवी, स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी वीर सिंह, राजेश कुमार, फार्मासिस्ट देवेंद्र सिंह, योगेश कुमार, हरीश, दीक्षांत, शोभित, नेत्र परीक्षण सहायक सुमित कुमार, सजौदीन, लोकेश, अरुण कुमार, नीरज, सुनील कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग एवं शिक्षा विभाग के अनेक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस ने टोल प्लाजा पर चलाए चेकिंग अभियान, 14 वाहनों का हुआ चालान

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में देर रात्रि को जनपद के बहुआ टोल प्लाजा (थाना ललौली), कल्याणपुर टोल प्लाजा तथा कटोघन टोल प्लाजा (थाना खागा) पर विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ड्रंक एंड ड्राइव, मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न, हूटर एवं अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई।

चेकिंग के दौरान ड्रंक एंड ड्राइव के 14 चालान तथा मॉडिफाइड साइलेंसर एवं प्रेशर हॉर्न आदि के 10 चालान किए गए। साथ ही ड्रंक एंड ड्राइव के एक प्रकरण में एक वाहन को सीज किया गया।

अभियान के दौरान क्षेत्राधिकारी यातायात एवं यातायात प्रभारी भी मौके पर उपस्थित रहे तथा चेकिंग व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

फतेहपुर पुलिस आमजन से अपील करती है कि सड़क सुरक्षा एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं तथा मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न एवं हूटर जैसे अवैध उपकरणों का प्रयोग न करें। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त एवं प्रभावी कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

झालू में बेखौफ चोरों का आतंक, एक रात में दो ट्यूबवेल खंगाले

स्टार्टर, केबल, स्प्रे मशीन समेत हजारों का सामान समेट ले गए बदमाश, किसानों में रोष

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। हल्दौर थाना क्षेत्र कस्बा झालू में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। शनिवार देर रात बदमाशों ने मात्र 700 मीटर की दूरी पर स्थित दो किसानों के ट्यूबवेलों को निशाना बनाते हुए हजारों रुपये मूल्य का कृषि उपकरण और विद्युत सामग्री चोरी कर ली। घटना से किसानों में भारी नाराजगी है और उन्होंने पुलिस से जल्द खुलासे की मांग की है।

मोहल्ला चौधरियान निवासी किसान भानु चौधरी और जितेंद्र चौधरी के खेत झालू नहर से मुकरन्दपुर मार्ग पर स्थित हैं। रात के समय अज्ञात चोर दोनों ट्यूबवेलों के कमरों के ताले तोड़कर अंदर घुस गए। चोर वहां से स्टार्टर, विद्युत केबल, ऑपरेटर, स्प्रे मशीन, फावड़ा, प्लास तथा खेती में उपयोग होने वाला अन्य सामान समेटकर फरार हो गए।

रविवार सुबह खेत पर पहुंचने पर किसानों को चोरी की जानकारी हुई। कमरों के टूटे ताले और बिखरा सामान देखकर उन्होंने तत्काल पुलिस चौकी पहुंचकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध तहरीर दी और कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। कुछ दिन पूर्व इसी मार्ग पर स्थित श्री झंडे वाले बाबा जी के आश्रम से भी दो बैटरियां चोरी हो गई थीं। इसके अलावा मुकरन्दपुर रोड पर शमशान के पास कुछ दिन पहले तीन युवक ने एक बाइक के दोनों पहियों व बैट्री को निकाल लिये। किसानों ने झालू पुलिस को सूचना दी, इतने पुलिस पहुंची तीनों युवक तब तक भाग गए, और पुलिस ने औपचरिकता पूरी करते हुए बाइक को लावारिस में दर्ज कर दी। और इस घटना के कुछ दिन बाद झालू-बरुकी नहर मार्ग पर भी बाइक के पहिये और बैटरी चोरी होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। मामले को पुलिस ने दबा दिया है। लोगों का आरोप है कि मामलों में प्रभावी कार्रवाई न होने से चोरों के हौसले बढ़ गए हैं।

लगातार हो रही वारदातों से किसानों और ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने, चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा करने और क्षेत्र में सक्रिय चोर गिरोह पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

लापता अधेड़ का खेत में मिला शव: परिजनों ने हत्या की आशंका जताई, जांच में जुटी पुलिस

संजीव विश्वकर्मा

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। बिजनौर के जसपुर कोतवाली क्षेत्र के देवीपुरा गांव निवासी 58 वर्षीय शिवराम सैनी का शव रविवार सुबह एक खेत में पड़ा मिला। शिवराम पिछले तीन दिनों से लापता थे। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

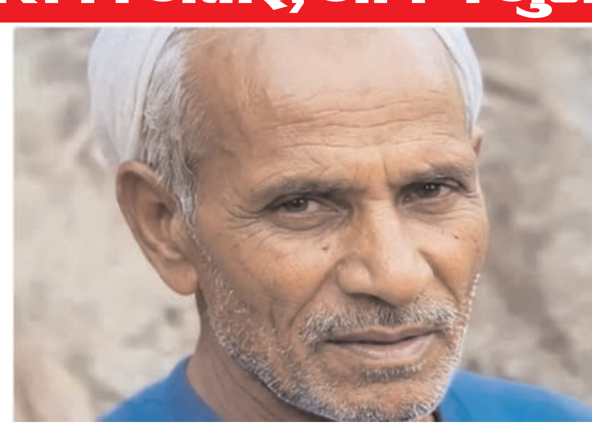

जानकारी के अनुसार, शिवराम सैनी पुत्र सरजीत सिंह ने लगभग तीन दशक पूर्व अपनी दो बेटियों ओमवती देवी और संजो देवी की शादी रेहड़ थाना क्षेत्र के फतेहपुर धारा निवासी रमेश और रामपाल सिंह से की थी। शिवराम के कोई पुत्र नहीं था, जिसके कारण वह पिछले छह महीने से अपनी छोटी बेटी संजो देवी के घर फतेहपुर धारा में रह रहे थे। उनकी पत्नी सोमती देवी देवीपुरा स्थित अपने ससुराल में थीं। शिवराम मजदूरी करके अपना गुजारा करते थे।

मृतक के दामाद रमेश सिंह ने बताया कि लगभग पांच दिन पहले शिवराम रामनगर से मजदूरी के करीब सात हजार रुपये लेकर आए थे। तीन दिन पहले वह गांव के कुछ लोगों के साथ घूमने चले गए थे। तीन दिन बीत जाने के बाद भी जब वह घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की।

कालागढ़, अफजलगढ़ सहित वन क्षेत्र में भी उनकी खोजबीन की गई, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल पाया।

रविवार सुबह जब ग्रामीण खेतों पर काम करने गए, तो उन्होंने रामपाल सिंह के खेत में शिवराम सैनी का शव पड़ा देखा। शव मिलने की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों ने शिवराम के साथ गए कुछ साथियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि शिवराम के साथ गए दो अन्य साथी भी घटना के बाद से फरार हैं।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, बच्चों को पिलाई गई पोलियो की दो बूंद

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जनपद में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ अध्यक्ष,नगर पालिका परिषद मंझनपुर वीरेंद्र कुमार फौजी ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर किया अभियान के दौरान दीपक,लक्ष्मी,रश्मि,मानसी शिक्षा,रानी,परी, सृष्टि,आरफिया वेदांत,अनुपाल,मान्य एवं परेश सहित अन्य बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार ने सभी अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं, क्योंकि यही पोलियो से स्थायी सुरक्षा का सबसे प्रभावी उपाय है।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमें बूथों के साथ-साथ घर-घर जाकर भी छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. हिंद प्रकाश मणि ने कहा कि जनपद को पोलियो मुक्त बनाए रखने के लिए सभी नागरिकों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी से अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।इस अवसर पर प्रभारी चिकित्साधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मंझनपुर डॉ. नीरज कुमार तथा ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक अवनीश कुमार मिश्रा,आरआरटी गौरव पाण्डेय, जेएसआई प्रतिनिधि मनोज तिवारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, आशा,एएनएम,आंगनबाड़ी आदि उपस्थित रहे।

स्योहारा में किशोरी से दुष्कर्म के दोनों आरोपी चौबीस घंटे के भीतर गिरफ्तार, भेजे गए जेल

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर । थाना स्योहारा पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए 13 वर्षीय नाबालिग किशोरी को बंधक बनाकर दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने वाले दोनों फरार आरोपियों को चौबीस घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है।

उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा जारी आधिकारिक प्रेसनोट के मुताबिक, पुलिस टीम ने रविवार को दोनों नामजद अभियुक्तों को दबोचकर जेल भेजने की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

विदित हो कि बीते 26 जून को पीड़ित पिता ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि 13 जून की दोपहर गांव का ही रीटिन पुत्र कीरत, उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और अपने सहयोगी सोनू पुत्र धर्मपाल सिंह के साथ मिलकर उसे बंधक बना लिया। इसके बाद आरोपी रीटिन ने किशोरी के साथ जबरन दुष्कर्म किया, जबकि सोनू ने इस जघन्य अपराध में उसका सहयोग किया। विरोध करने पर आरोपियों ने किशोरी के गले पर धारदार चाकू रखकर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी और बाद में फोटो वायरल करने की धमकी देकर उसे प्रताड़ित कर रहे थे।

इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए स्योहारा थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि पीड़ित परिवार की तहरीर के आधार पर तत्काल बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

रविवार को प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार, उ0नि0 संजय त्यागी, हेड कांस्टेबल नीटू राणा और राजू दिवाकर की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों नामजद आरोपियों–रीटिन और सोनू उर्फ सतवीर को ग्राम मकनपुर से गिरफ्तार कर लिया।

हिन्दुत्व प्राण के प्रेरणा हैं क्षत्रपति शिवाजी-ओम प्रकाश

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी(ब्यूरो चीफ)। भरवारी नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक ओम प्रकाश ने हिन्दू साम्राज्य दिवस पर महाराज क्षत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण करने के उपरान्त हिन्दू पदपादशाही स्थापना दिवस पर विषय रखते हुए बोले कि येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी का यह पावन दिन भारतीय इतिहास का वह स्वर्णिम पृष्ठ है,जिसने सदियों की मानसिक और राजनीतिक गुलामी को तोड़कर देश में हिन्दवी स्वराज का शंखनाद किया था। आज ही के दिन छत्रपति शिवाजी महाराज का रायगढ़ किले में वैदिक पद्धति से राज्याभिषेक हुआ था। यह केवल एक राजा का राज्याभिषेक नहीं था,बल्कि अत्याचार के अंत की आधिकारिक घोषणा थी,सनातन संस्कृति के पुनरुत्थान का संकल्प था। विदेशी आक्रांताओं के भय को समाप्त करने का हुंकार था। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की मजबूत नींव थी विभाग प्रचारक ने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हमें सिखाया कि जब हौसले बुलंद हों,तो मुट्ठी भर राष्ट्रभक्त भी आततायी साम्राज्य की जड़ें हिला सकते हैं। उनका जीवन और शासन तंत्र आज भी सुशासन,महिला सम्मान,और राष्ट्र रक्षा की सबसे बड़ी पाठशाला है। आइए,इस गौरवशाली अवसर पर हम सब मिलकर छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लें। नमन है माँ जीजाऊ को,जिन्होंने शिवबा जैसा राष्ट्रनायक गढ़ा नमन है छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य को। इस कार्यक्रम में जिला प्रचारक शिव प्रसाद,जिला संघचालक केदारनाथ मौर्य,संजीव,ज्ञान प्रकाश,कल्याण सैकड़ों लोग मौजूद रहें।

अस्पताल में डिलीवरी के दौरान महिला की मौत: डॉक्टर-स्टाफ पर लापरवाही का आरोप, परिजनों और पुलिस में झड़प

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। धामपुर के एक निजी अस्पताल में डिलीवरी के दौरान 26 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्योहारा थाना क्षेत्र के गांव मुकरपुरी निवासी आरती (26), पत्नी नितिन को प्रसव पीड़ा होने पर धामपुर के लक्ष्मी नगर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों के अनुसार, देर रात करीब 11 बजे उसका ऑपरेशन किया गया, जिसके बाद उसने एक बच्ची को जन्म दिया। परिजनों का कहना है कि बच्ची के जन्म के कुछ देर बाद ही आरती की हालत अचानक बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉक्टर ने उसे एक इंजेक्शन लगाया और उसके बाद अस्पताल छोड़कर चले गए।

महिला की मौत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने डॉक्टर और स्टाफ पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। परिजनों का यह भी कहना है कि मौत की जानकारी होने के बाद अस्पताल संचालक और स्टाफ मौके से फरार हो गए।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जब पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने लगी, तो इस दौरान परिजनों और पुलिस के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की हो गई। बाद में पुलिस ने समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया।

धामपुर पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में परिजनों की शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।उनका कोई पता नहीं चल पाया।

रविवार सुबह जब ग्रामीण खेतों पर काम करने गए, तो उन्होंने रामपाल सिंह के खेत में शिवराम सैनी का शव पड़ा देखा। शव मिलने की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों ने शिवराम के साथ गए कुछ साथियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि शिवराम के साथ गए दो अन्य साथी भी घटना के बाद से फरार हैं।

दहेज हत्या के मामले में 2 महिला समेत 4 वांछित गिरफ्तार, भेजे गए जेल

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र पुलिस टीम द्वारा चार वांछित अभियुक्त मो0 अमन सिद्दीकी, मो0 आदम उर्फ राजू, जूली पत्नी मो0 आदम उर्फ राजू निवासीगण हल्दी कला थाना औद्योगिक क्षेत्र जनपद प्रयागराज, मुस्कान पुत्री मो0 आदम उर्फ राजू निवासी हल्दीकला थाना औद्योगिक क्षेत्र जनपद प्रयागराज को थाना औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हल्दीकला से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि वादिनी सबीना बेगम पत्नी सगीर अहमद निवासिनी जबलपुर मस्जिद के पीछे थाना बेलबाग मध्य प्रदेश द्वारा थाना में तहरीर दी गई थी कि उसकी पुत्री के ससुरालीजनों द्वारा दहेज की माँग को लेकर वादिनी की पुत्री की हत्या कर दी गई।
इस सम्बन्ध में धारा 80(2)/85 बीएनएस व ३ डीपी एक्ट का मुकदमा पंजीकृत किया गया था। अभियोग पंजीकृत कर संबंधित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे थे।

रविवार को ग्राम हल्दीकला से गिरफ्तार किया गया। थाने में लिखा पढ़ी करने के बाद इनको जेल भेज दिया गया।

ड्यूटी से लौट रहे बाइक सवार होमगार्ड की सड़क दुर्घटना में मौत

होमगार्ड को टक्कर मारने के बाद वाहन समेत वाहन चालक हुआ फरार जिसकी पुलिस कर रही तलाश

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। कड़ा धाम थाना क्षेत्र में शनिवार की देर रात ड्यूटी से वापस घर लौट रहे बाइक सवार होमगार्ड को तेजगति वाहन ने टक्कर मार दी जिससे बाइक समेत होमगार्ड सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना थाना पुलिस वा एम्बुलेंस को दी गई दुर्घटना के बाद वाहन चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया,घटना की सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने घायल होमगार्ड को एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया,जहां रविवार की दोपहर इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सैनी कोतवाली क्षेत्र के नया पुरवा कोरियो गांव निवासी फूलचंद पाल कड़ा धाम कोतवाली की अलीपुर जीता पुलिस चौकी में होम गार्ड के पद पर तैनात था।

फूलचंद पाल शनिवार देर रात अपनी ड्यूटी के बाद बाइक से घर लौट रहा था रात लगभग 11 बजे कोरियो नहर के पास तेजगति अनियंत्रित वाहन ने होमगार्ड की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक समेत होमगार्ड सड़क पर गिर पड़े और तड़पने लगे दुर्घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग और राहगीरों ने मामले की सूचना पुलिस को दी घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायल होमगार्ड फूलचंद पाल को एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया। रविवार दोपहर इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच में जुटी हुई है दुर्घटना के बाद वाहन समेत वाहन चालक फरार हो गया है जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

बिंध एक्सप्रेसवे के लिए भूमि अधिग्रहण का किसानों ने किया विरोध, महापंचायत की तैयारी तेज

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। तहसील सोरांव के ग्राम सभा बाहर सराय गोहरी एवं आसपास के कई गांवों में प्रस्तावित बिंध एक्सप्रेस नेशनल हाईवे के लिए भूमि अधिग्रहण का किसानों ने विरोध जताया। रविवार को भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे की उपस्थिति में प्रभावित किसानों की एक पंचायत आयोजित की गई।
बैठक में किसानों ने एकमत होकर निर्णय लिया कि जब तक उनकी मांगों का उचित समाधान नहीं किया जाता, तब तक वे अपनी भूमि का बैनामा नहीं करेंगे और भूमि अधिग्रहण का विरोध जारी रखेंगे। किसानों ने कहा कि अपनी जमीन बचाने के लिए वे लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए भाकियू (अराजनैतिक) के मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए संगठन हर स्तर पर उनके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने बताया कि आगामी 25 जुलाई 2026 को मंडलायुक्त, प्रयागराज कार्यालय पर प्रस्तावित किसान महापंचायत को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।
बैठक में गंगापार अध्यक्ष भरत लाल पटेल, मंडल सचिव राजेंद्र कुमार, युवा किसान नेता पप्पू पासी, अभिषेक पांडे, न्याय पंचायत अध्यक्ष खुर्शीद आलम, जिला सचिव गोविंद बहादुर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष ज्ञान सिंह पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष मुन्ना मिश्रा, ब्लॉक उपाध्यक्ष सहित सूरज राय, राम गणेश मौर्य, शंकर लाल पटेल, लालजी पटेल, राम लखन सरोज, रमाशंकर पटेल एवं सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार ने सुनी मोदी के मन की बात किया वृक्षारोपण

सबसे तेज प्रयागराज
बहरिया। भारतीय जनता पार्टी की गंगापार जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने कमलानगर मंडल के बूथ संख्या 340 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सामूहिक रूप से गांव वालों के साथ सुना मन की बात कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि धरती से लेकर असमान तक भारत लगातार मजबूत और आत्मनिर्भर हो रहा है उन्होंने कहा कि आगामी गणेशोत्सव में केवल मिट्टी की बनी मूर्तियों को प्राथमिकता दें मोदी ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा तथा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति जैसी योजनाओं का भी जिक्र किया इस अवसर पर जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने वृक्षारोपण भी किया और उस पेड़ की देखभाल करने का भी आवाह्न किया इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष बृजेश त्रिपाठी जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी भूपेन्द्र सिंह मंडल अध्यक्ष संजय मौर्या नवनीत तिवारी आदि मौजूद रहे।

साइबर जागरूकता एवं नए कानूनों के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया गया

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक महोदय तथा समस्त क्षेत्राधिकारीगण के पर्यवेक्षण में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0, साइबर जागरूकता अभियान एवं नए आपराधिक कानूनों के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया गया।
अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण के संबंध में जागरूक करते हुए साइबर अपराधों से बचाव के उपाय, गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों तथा नए आपराधिक कानूनों की महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। साथ ही सास-बहू सम्मेलन एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को शासन द्वारा संचालित विभिन्न महिला सुरक्षा योजनाओं एवं हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई।
इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा सहित महिला हेल्पडेस्क, एंटी रोमियो टीम, मिशन शक्ति केंद्र एवं संबंधित थानों के सीयूजी नंबरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर आवश्यकता पड़ने पर इन सेवाओं का निर्भीक होकर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।
में अब तक कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। मो. सलीम की गिरफ्तारी के बाद उसके खिलाफ दर्ज मुकदमे में आयुध अधिनियम की धारा भी जोड़ दी गई है। आरोपी के विरुद्ध पूर्व से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उक्त कार्रवाई पुलिस आयुक्त के निर्देशन तथा डीसीपी गंगानगर, एडीसीपी गंगानगर और एसीपी सोरांव के पर्यवेक्षण में नवाबगंज थाना पुलिस टीम ने की।

गांव-कस्बों में चौपाल लगाकर चलाया गया "बहू-बेटी अभियान"

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में परित्यक्ता, तलाकशुदा, निराश्रित तथा दहेज उत्पीड़न की शिकार महिलाओं एवं बालिकाओं के उत्थान, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण तथा नए आपराधिक कानूनों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रविवार को जनपद फतेहपुर में विशेष पहल "बहू-बेटी अभियान" व्यापक स्तर पर संचालित किया गया।
अभियान के अंतर्गत जनपद के समस्त थानों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रांतर्गत विभिन्न स्थानों पर चौपाल, जागरूकता सम्मेलन एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। मिशन शक्ति टीमों एवं एंटी रोमियो टीमों द्वारा गांवों एवं कस्बों में महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं, आत्मनिर्भरता एवं सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं।
अभियान के दौरान परित्यक्ता, विधवा, तलाकशुदा, कामकाजी महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध आदि के संबंध में जानकारी देते हुए बचाव के उपाय एवं उपलब्ध कानूनी प्रावधानों से अवगत कराया गया।
इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण योजनाओं की जानकारी दी गई। महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों—डायल 112, महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, जननी सुरक्षा 102, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एंबुलेंस सेवा 108 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930—के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

पुलिस टीम पर हमला करने वाला वांछित आरोपी गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त लोहे का बांका बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र में पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में फरार चल रहे एक वांछित आरोपी को गंगानगर जोन पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे का बांका भी बरामद किया गया। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने मुकदमे में आयुध अधिनियम की धारा 4/25 की बढ़ोतरी करते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई की है।
पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान मो. सलीम (50) पुत्र स्वर्गीय रमजान अली, निवासी ग्राम ठेगहा, आनापुर, थाना नवाबगंज के रूप में हुई है। उसे थाना क्षेत्र के आर.के. यदुवंशी इंटरमीडिएट कॉलेज के पास स्थित महुए के बाग से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि 26/27 जून की रात ग्राम ठेगहा में रास्ते के विवाद की सूचना पर स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। पुलिस के समझाने का प्रयास करने के दौरान मो. सलीम ने अपने परिजनों के साथ मिलकर पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया, जिसमें आनापुर चौकी प्रभारी घायल हो गए थे। घटना के बाद आरोपी फरार चल रहा था।
जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने पूर्व में रास्ते में बनी एक स्कूल की सीढ़ी को लेकर शिकायत की थी। 25 मई 2026 को राजस्व विभाग की टीम द्वारा किए गए निरीक्षण में सीढ़ी एवं रास्ता विद्यालय की भूमि पर पाया गया था तथा वहां 10 फीट चौड़ा रास्ता उपलब्ध होने की पुष्टि की गई थी।
पुलिस के अनुसार इस प्रकरण में अब तक कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। मो. सलीम की गिरफ्तारी के बाद उसके खिलाफ दर्ज मुकदमे में आयुध अधिनियम की धारा भी जोड़ दी गई है। आरोपी के विरुद्ध पूर्व से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उक्त कार्रवाई पुलिस आयुक्त के निर्देशन तथा डीसीपी गंगानगर, एडीसीपी गंगानगर और एसीपी सोरांव के पर्यवेक्षण में नवाबगंज थाना पुलिस टीम ने की।

सतत प्रकल्प के तहत आदित्यवाहिनी का संगम तट पर स्वच्छता अभियान

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। जगद्गुरु पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानन्द सरस्वती द्वारा स्थापित संगठन आदित्यवाहिनी के तत्वावधान में रविवार को सतत प्रकल्प के तहत संगम तट पर गंगा स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान आदित्यवाहिनी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने संगम क्षेत्र में स्वच्छता एकत्र कूड़ा-कचरा हटाया तथा लोगों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। लोगों को संदेश देते हुए संगठन के पदाधिकारियों कार्यकताओं ने लोगों का आह्वान किया कि प्रत्येक सनातनधर्मी मां गंगा को अपनी जननी मानता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपनी मां को गंदगी रूपी पीड़ा से मुक्त कराने के लिए अपने घरों से बाहर निकले और इस पवित्र अभियान में सहभागी बने। कहा गया कि जो लोग गंगा को केवल एक नदी मानते हैं, वे भी पर्यावरण संरक्षण की भावना से प्रेरित होकर मां गंगा की स्वच्छता के लिए आगे आएँ। गंगा की निर्मलता संपूर्ण मानव समाज और प्रकृति के हित से जुड़ा विषय है। आदित्यवाहिनी के कार्यकताओं ने शंकराचार्य स्वामी निश्चलानन्द सरस्वती के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि "प्रकृति भगवान की दूती (शक्ति) है। प्रकृति की सेवा ही भगवान की सेवा है।" अतः प्रकृति का संरक्षण प्रत्येक नागरिक का परम दायित्व है। कार्यकताओं ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे गंगा एवं अन्य जलस्रोतों को प्रदूषित होने से बचाएँ, प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को जल में न डालें तथा स्वच्छ, निर्मल और अविरल गंगा के निर्माण में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करें। इस दौरान आदित्यवाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ दिव्यकांत त्रिपाठी, विप्रवर व्यास, लक्ष्य दुबे, उत्तम दुबे, रादित्य मिश्रा,सत्य प्रकाश मिश्रा, कार्तिकेय तिवारी आदि उपस्थित रहे।

चोरी का अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी का मोबाइल फोन बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज । थाना मुठ्ठीगंज पुलिस द्वारा चोरी से सम्बन्धित अभियुक्त मो0 इरफान पुत्र मो0 मुस्ताक निवासी वार्ड न0-4 थाना गढ़ जनपद रीवा म0प्र0 हाल पता तम्बाकू वाली गली थाना कीडगंज जनपद प्रयागराज को रविवार को मुखिबर की सूचना पर बारादरी घाट से शनि मन्दिर की ओर जाने वाले रास्ते पर थाना क्षेत्र मुठ्ठीगंज से गिरफ्तार किया गया व उसके कब्जे से चोरी का एक मोबाइल फोन मोटोरोला कम्पनी का बरामद किया गया ।

गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम
मनोज कुमार सिंह, थाना प्रभारी मुठ्ठीगंज. उ0नि0 निर्मल शर्मा. उ0नि0 करुणेश कुमार त्रिपाठी, थाना मुठ्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।

जार्जटाउन पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना जार्जटाउन पुलिस द्वारा आई0टी0 एक्ट से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त अर्जित सक्सेना उर्फ आशीष पुत्र विश्व रंजन निवासी 15/186 बेली रोड नया कटरा थाना कर्नलगंज जनपद प्रयागराज को रविवार को मुखबिर की सूचना पर उसके निवास स्थान बेली रोड नया कटरा थाना क्षेत्र कर्नलगंज से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम
योगेन्द्र कुमार सिंह, थानाध्यक्ष थाना जार्जटाउन. उ0नि0 गोविन्द सिंह, थाना जार्जटाउन कमिश्नरेट प्रयागराज ।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष का अल्पसंख्यक मोर्चा ने किया अभिनंदन

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। भाजपा महानगर अल्पसंख्यक मोर्चा ने डॉ कृतिका अग्रवाल को प्रदेश उपाध्यक्ष बनने के बाद प्रथम नगर आगमन पर भव्य स्वागत अभिनंदन किया। रविवार को मोर्चा के महानगर अध्यक्ष नवाब खान के नेतृत्व में कार्यकताओं ने डॉ कृतिका अग्रवाल को पुष्प गुच्छ व माला भेंटकर उनका स्वागत अभिनंदन किया। मोर्चा अध्यक्ष नवाब खान ने कहा कि भाजपा के प्रदेश नेतृत्व ने मातृशक्ति को जो सम्मान दिया है वो आज तक अन्य दलों ने कभी नहीं दिया। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास के मार्ग पर चलते हुए भाजपा 2027 में पुनः विजय प्राप्त करेगी। नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ कृतिका अग्रवाल ने मोर्चा कार्यकताओं के प्रति आभार जताया। मोर्चा के महानगर अध्यक्ष नवाब खान, बिलाल अहमद, मोहम्मद मुजीब, फैजान अहमद, राशिद राइन, असमत कमाल, मुसतफा टिंकी, शमसुल कमर, इमरान सिद्दीकी, पप्पू, एखलाक हुसैन, मोहम्मद आरिफ, सरदार कमाल सिंह, जसवीन्दर सिंह, मोहम्मद नाजिम, शाहनवाज आलम, मोहम्मद सलीम, मंजू खान ,अकरम नेता, इदरीस अहमद, आदि लोग उपस्थिति रहे।

नैनी स्टेशन के पास ट्रेन से छह बोरी तेंदू पत्ता बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। जीआरपी प्रयागराज ने शनिवार को नैनी रेलवे स्टेशन के पास डॉ. अंबेडकर नगर एक्सप्रेस से लावारिस हालत में छह बोरी तेंदू पत्ता बरामद किया। बरामदगी के बाद वन विभाग को सूचना देकर आगे की कार्रवाई के लिए तेंदू पत्ता सुपुर्द कर दिया गया।
रेलवे स्टेशनों, सकुर्लेटिंग एरिया एवं ट्रेनों में बढ़ती चोरी, छिनैती, अवैध तस्करी और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी रेलवे अरुण कुमार पाठक के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक जीआरपी प्रयागराज अकलेश कुमार सिंह के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई।
जीआरपी नैनी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक सुधीर कुमार पुलिस टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान ट्रेन संख्या 14115 डॉ. अंबेडकर नगर एक्सप्रेस के नैनी स्टेशन से प्रस्थान करने के कुछ समय बाद प्लेटफॉर्म संख्या-4 पर छह बोरी तेंदू पत्ता लावारिस अवस्था में मिला। पुलिस ने बरामदगी के संबंध में करछना के रेंज वनाधिकारी (आरएफओ) मनोज कुमार को सूचना दी। सूचना मिलने पर वनरक्षक महेंद्र कुमार अपने हमराही संतोष कुमार के साथ जीआरपी चौकी नैनी पहुंचे, जहां आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बरामद तेंदू पत्ता वन विभाग को सौंप दिया गया। मामले में वन विभाग द्वारा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कब्र खोदे जाने के बाद नहीं मिली विवाहिता की लाश

लगभग 3 महीने पहले विवाहिता की हत्या कर लाश गायब करने का लगा था आरोप

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के असवा गांव की विवाहिता सुमिला देवी उम्र 26 वर्ष की 4 अप्रैल को हत्या कर लाश को गायब करने का लगातार ससुराल के लोगों पर आरोप था तमाम प्रयास के बाद 28 जून को जिलाधिकारी के आदेश के बाद कोखराज पुलिस ने गंगा नदी के किनारे संदीपन घाट पर कब्र खोलकर विवाहिता की लाश निकालने का प्रयास किया लेकिन कब्र खोदने के बाद कब्र से विवाहिता की लाश गायब थी घटना को लगभग 3 महीने बीत गए हैं लेकिन अभी तक मामले में पुलिस ने मुकदमा नहीं दर्ज किया है विवाहिता की मौत पर ससुराल के लोग तमाम तरह के बहाने बाजी बता रहे हैं बताया जाता है कि पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के बरइसा गांव के रमेश चंद्र की पुत्री सुमिला देवी की शादी 12 मई 2021 को असावा गांव के लाल बहादुर के साथ हुई थी लेकिन दहेज की डिमांड को लेकर विवाहिता को परेशान किया जाता रहा जिससे पीड़ित हो कर दो वर्ष तक विवाहिता मायके में रही और जब ससुराल पहुंची तो संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत हो गई ससुराल के लोग तमाम तरह के बहाने बाजी बता कर मामले में लगभग 3 महीने से पर्दा डालने का प्रयास कर रहे हैं कब्र से विवाहिता की लाश ना मिलने के बाद विवाहिता की मौत पर तमाम सवाल उठना शुरू हो गया है।

नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष का किया अभिनंदन

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी महानगर जिलाध्यक्ष संजय गुप्ता ने जिला महामंत्री विक्रमजीत भदौरिया तथा डॉ शैलेश कुमार पाण्डेय व अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ काशी प्रवास के दौरान भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल तथा काशी क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया से शिष्टाचार भेंटकर उन्हें नवीन दायित्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। भेंटवार्ता के दौरान संगठन की मजबूती, बूथ सशक्तिकरण, कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने सहित विभिन्न विषयों पर व्यापक चर्चा हुई।
नेताओं ने संगठन को और अधिक सुदृढ़ एवं जन-जन तक पहुँचाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करने पर बल दिया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन कार्यकताओं की शक्ति एवं समर्पण के आधार पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दिलीप पटेल एवं अशोक चौरसिया के नेतृत्व में संगठन नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा। इस दौरान भाजपा महानगर प्रयागराज के महामंत्री डॉ शैलेश कुमार पाण्डेय, विक्रम जीत भदौरिया, रवि केशरवानी, विजय श्रीवास्तव, पप्पू पाण्डेय, मनोज कुशवाहा, संजय सिंह, शक्ति सिंह, रोशन सिंह,युवा मोर्चा के मयंक दूबे, आशीष द्विवेदी, प्रखर श्रीवास्तव, वैभव श्रीवास्तव, प्रवीण भारतीय, सुजीत कुशवाहा, मोहित गुप्ता पीयूष जायसवाल, अमन पाण्डेय, अखिलेश पाण्डेय, अमन सोनकर व अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन-सा दस्तावेज वैध?

भारत में नागरिकता को लेकर एक बार फिर राष्ट्रीय बहस तेज हो गई है। विदेश मंत्रालय द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद कि पासपोर्ट अपने-आप में नागरिकता का अंतिम और निर्णायक प्रमाण नहीं है, विपक्ष ने सरकार पर सवाल उठाए हैं, जबकि सरकार का कहना है कि नागरिकता का निर्धारण केवल किसी एक दस्तावेज से नहीं, बल्कि कानून और उपलब्ध साक्ष्यों के समग्र परीक्षण के आधार पर होता है। यह विवाद केवल कानूनी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिकों के भरोसे से भी जुड़ा है। आम नागरिक का सबसे बड़ा सवाल यही है—यदि आधार, वोटर आईडी, पैन कार्ड और यहां तक कि पासपोर्ट भी अंतिम प्रमाण नहीं हैं, तो आखिर भारतीय नागरिकता सिद्ध कैसे होगी? लोकतंत्र में सबसे बड़ी शक्ति नागरिक का विश्वास होता है। यदि नागरिक को अपने ही अधिकारों के प्रमाण को लेकर असमंजस रहे, तो यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती। इसलिए समय की मांग है कि नागरिकता प्रमाणन की प्रक्रिया स्पष्ट, सर्वसुलभ और विवाद-मुक्त बनाई जाए, ताकि किसी भी भारतीय को अपनी नागरिकता साबित करने के प्रश्न पर अनिश्चितता का सामना न करना पड़े।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि पहचान और नागरिकता एक जैसी नहीं हैं। आधार कार्ड आपकी पहचान और निवास का प्रमाण है। वोटर आईडी मतदान के अधिकार का प्रमाण है। पैन कार्ड आयकर संबंधी पहचान है। ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने की अनुमति देता है। पासपोर्ट विदेश यात्रा और अंतरराष्ट्रीय पहचान का दस्तावेज है। लेकिन इनमें से कोई भी दस्तावेज अकेले नागरिकता का अंतिम कानूनी प्रमाण नहीं माना जाता।

आखिर नागरिकता कैसे तय होती है? भारत में नागरिकता का आधार नागरिकता अधिनियम, 1955 है। इस कानून के अनुसार नागरिकता प्राप्त करने के प्रमुख आधार हैं–जन्म के आधार पर, वंश के आधार पर, पंजीकरण द्वारा, प्राकृतिककरण द्वारा, किसी क्षेत्र के भारत में विलय के आधार पर। यदि किसी व्यक्ति की नागरिकता पर प्रश्न उठता है तो संबंधित प्राधिकारी उपलब्ध दस्तावेजों, जन्म संबंधी अभिलेखों, माता-पिता की नागरिकता, सरकारी रिकॉर्ड तथा अन्य कानूनी साक्ष्यों का समग्र मूल्यांकन करता है। कोई एक दस्तावेज हर परिस्थिति में निर्णायक नहीं होता।

हाल के वर्षों में जन्म प्रमाण पत्र को सबसे महत्वपूर्ण आधार दस्तावेजों में माना जाने लगा है, क्योंकि इससे जन्म तिथि और जन्म स्थान दोनों का रिकॉर्ड उपलब्ध होता है। लेकिन जिन लोगों का जन्म दशकों पहले हुआ और जिनके पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है, उनके लिए स्कूल प्रमाणपत्र, भूमि अभिलेख, पारिवारिक रिकॉर्ड, सरकारी सेवा अभिलेख तथा अन्य आधिकारिक दस्तावेज भी परिस्थितियों के अनुसार महत्वपूर्ण साक्ष्य बन सकते हैं।

विदेश मंत्रालय के स्पष्टीकरण के बाद विपक्ष ने प्रश्न उठाया कि यदि पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं है, तो आम नागरिक किस दस्तावेज पर भरोसा करे। दूसरी ओर सत्तापक्ष का तर्क है कि दुनिया के अनेक देशों में भी पासपोर्ट नागरिकता निर्धारण का एकमात्र कानूनी आधार नहीं होता और विवाद की स्थिति में मूल नागरिकता रिकॉर्ड ही निर्णायक होते हैं। यह बहस संसद से लेकर राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों तक फैल चुकी है।

इस पूरे विवाद की सबसे बड़ी वजह यह है कि भारत में आज तक ऐसा कोई एकल राष्ट्रीय नागरिकता प्रमाण-पत्र नहीं है जिसे हर स्थिति में अंतिम माना जाए। परिणामस्वरूप लोग आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड और पासपोर्ट जैसे दस्तावेजों को ही नागरिकता का प्रमाण समझ लेते हैं, जबकि कानून की दृष्टि से इनकी भूमिका अलग-अलग है।

लोकतंत्र में केवल कानून होना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसका स्पष्ट और सरल संप्रेषण भी आवश्यक है। यदि नागरिकों में यह भ्रम बना रहे कि कौन-सा दस्तावेज वैध है और कौन-सा नहीं, तो इससे अनावश्यक भय और अफवाहें फैल सकती हैं।

सरकार को चाहिए कि नागरिकता प्रमाणन संबंधी एक स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करे, जिसमें बताया जाए कि विभिन्न परिस्थितियों में कौन-कौन से दस्तावेज स्वीकार्य होंगे। इससे प्रशासनिक विवाद भी कम होंगे और नागरिकों का विश्वास भी बढ़ेगा।

संप्रभुता का इम्तिहान - मेलोनी के स्वाभिमान से भारत के लिए कूटनीतिक सबक

आलोक बाजपेयी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के बीच हाल ही में शुरू हुआ सार्वजनिक विवाद समकालीन कूटनीति के एक नए और कड़े अध्याय को रेखांकित करता है। कल तक जो मेलोनी यूरोप में ट्रम्प की सबसे भरोसेमंद आवाज मानी जाती थीं, आज वे ट्रम्प के तीखे हमलों का सबसे मुखर जवाब दे रही हैं। यह कूटनीतिक टकराव भारत जैसे उभरते हुए वैश्विक पावरहाउस के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण सबक है—कि जब एक महाशक्ति का राष्ट्रवाद आपकी राष्ट्रीय गरिमा और स्वायत्तता पर चोट करने लगे, तो रणनीतिक चुप्पी हमेशा सबसे बेहतर विकल्प नहीं होती।

ट्रम्प-मेलोनी विवादः ईरान पर हमलों में सहभाग से इटली के इंकार ने बिगाड़े सम्बन्ध

यह विवाद रातों-रात पैदा नहीं हुआ, बल्कि इसकी जड़ें रणनीतिक मतभेदों और व्यक्तिगत बयानों के एक सिलसिले से जुड़ी हैं. 20 जनवरी 2025 को डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में जॉर्जिया मेलोनी एकमात्र यूरोपीय संघ (एव) नेता थीं, जिन्हें विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। दोनों के बीच गोल्डन एज के संबंधों की उम्मीद जताई गई।करीबी मित्रता के इस दौर में मेलोनी वाशिंगटन की सबसे करीबी यूरोपीय सहयोगी मानी जाती थीं। फरवरी 2026 में अमेरिका झ ईरान युद्ध से संबंधों में दरार की शुरूआत हुई. मेलोनी ने इटली के भीतर जनभावनाओं को देखते हुए अमेरिकी बमवर्षकों को इतालवी सैन्य ठिकानों के इस्तेमाल की अनुमति देने से साफ इनकार कर दिया। मेलोनी ने स्पष्ट किया कि इन ठिकानों का उपयोग केवल पूर्व समझौतों के तहत तकनीकी और तार्किक कार्यों के लिए हो सकता है, न कि युद्ध के हमलों के लिए। अप्रैल 2026 में ट्रम्प ने ईरान युद्ध को लेकर पोप लियो कश के रुख की आलोचना करते हुए उन्हें विदेश नीति के लिए खराब और कमजोर कहा। मेलोनी ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए ट्रम्प के बयानों को अस्वीकार्य करार दिया। तिलमिलाए ट्रम्प ने पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें लगा था कि मेलोनी में साहस है, लेकिन वे गलत थे।16 से18 जून 2026 तक फ्रांस में आयोजित G7 शिखर सम्मेलन में दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। हालांकि कैमरे के सामने गर्मजोशी दिखी, लेकिन भीतर कड़वाहट बरकरार थी। शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद 19 जून को ट्रम्प ने एक इतालवी टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में दावा किया कि मेलोनी ने उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए भीख (ड्डीि) मांगी थी और वे लोकप्रिय न होने के कारण दोबारा अमेरिका से दोस्ती की कोशिश कर रही हैं। कुछ घंटों बाद ही मेलोनी ने तुरंत एक वीडियो संदेश जारी कर ट्रम्प के दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत और अपमानजनक बताया। उन्होंने कड़े लहजे में कहा—न तो मैं और न ही इटली किसी से मिन्नतें करता है। विरोध स्वरूप इटली के विदेश मंत्री

ने अपनी अमेरिका यात्रा भी रद्द कर दी। मेलोनी ने ट्रम्प के शब्दों को पूरे इटली का अपमान बताया। इटली में सत्ता पक्ष से लेकर वामपंथी विपक्ष तक, सभी राजनीतिक दल मेलोनी के समर्थन में एकजुट हो गए। इसके अलावा, इटली ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियानों के लिए अपने सैन्य ठिकानों के इस्तेमाल पर भी संसदीय मुहर की सख्त शर्त लागू कर दी।

ताजा स्थिति ये है कि ट्रम्प द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म । ट्रुथ सोशल पर जब ट्रंप ने मेलोनी की घटती लोकप्रियता पर तंज कसा, तो मेलोनी का जवाब थाः मेरी लोकप्रियता से आपका कोई लेना-देना नहीं है। मेरी सलाह है कि आप अपनी लोकप्रियता पर ध्यान दें। उनकी लोकप्रियता ट्रम्प से दोस्ती पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इटली के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने पर निर्भर करती है।

इटली बनाम भारतः कूटनीतिक दृष्टिकोण का बड़ा अंतर

जहाँ इटली ने अमेरिकी दबाव के सामने अपनी संप्रभुता के लिए एक स्पष्ट लक्ष्मण रेखा खींची, वहीं भारत का दृष्टिकोण पिछले वर्षों में अलग रहा है. इटली की प्रतिक्रिया या मेलोडी मॉडल की तुलना भारत के जवाब या मोदी मॉडल से करें तो प्रसन्नता से अधिक निराशा ही हाथ लगती है.

सबसे पहला मुद्दा है व्यक्तिगत कूटनीति की सीमा का. वैचारिक रूप से ट्रम्प के करीब होने और उनकी किताबों को प्रमोट करने के बावजूद, मेलोनी ने व्यक्तिगत संबंधों को राष्ट्रीय संप्रभुता के आड़े नहीं आने दिया। भारत अक्सर हाउडी मोदी या नमस्ते ट्रम्प जैसी व्यक्तिगत केमिस्ट्री और इवेंट कूटनीति पर बहुत अधिक भरोसा करता है, जिससे नीतिगत कठोरता कभी-कभी कमजोर हो जाती है। सैन्य स्वायत्तता पर स्टैंड पर देखें तो अमेरिकी सैन्य प्रभुत्व और सुरक्षा छतरी के तहत होने के बावजूद, इटली ने अपने बेस से युद्ध मैदान में अमेरिकी भागीदारी को वीटो कर दिया। भारत क्वाड और अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी तो बढ़ाता है, लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों, जैसे उअअळरअ या रूसी तेल, चाबहार बंदरगाह आदि मुद्दों पर अमेरिकी दबाव में कई बार रक्षात्मक मुद्रा में आ जाता है। सार्वजनिक अपमान का जवाब देने में भी नईदिल्ली का रुख निराश ही करता है. मेलोनी और उनके मंत्रियों ने ट्रम्प के व्यक्तिगत व अपमानजनक बयानों का सोशल मीडिया और प्रेस में तुरंत, आक्रामक और तार्किक खंडन किया। ट्रम्प द्वारा भारत को टैरिफ किंग कहने, वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार ठहराने या नेतृत्व पर झ उनका पद मैं कभी ले सकता हूँ, मैंने टैरिफ की धमकी देकर युद्ध रुकवाया जैसे अनेकों बार असहज टिप्पणियां करने पर भी भारत रणनीतिक चुप्पी बनाए रखता है। भारत में नौसैनिक अभ्यास से लौट रहे जहाज को अमेरिका द्वारा डुबोए जाने भारत चुप रहा और इसी का परिणाम रहा कि जहाजों पर हमले में भारतीयों की जान चली जाने पर भी भारत कडा रुख नहीं अपना सका. ईरान और अमेरिका से तेल खरीदने पर दुष्परिणाम की चेतावनी तो सिर्फ ट्रम्प ही नहीं बल्कि उनके मंत्री भी देने लगे .

भारत के लिए कूटनीतिक सबकः संप्रभुता की कोई वैचारिक सेल नहीं होती

मेलोनी का यह साहसी रुख भारत के रणनीतिक योजनाकारों को तीन बेहद जरूरी सबक देता है. प्रथमतः, लीडर-टू-लीडर केमिस्ट्री की एक सीमा होती है. अंतरराष्ट्रीय संबंध व्यक्तिगत दोस्ती से नहीं, बल्कि स्थाई हितों से चलते हैं। अमेरिका के पहले कार्यकाल और वर्तमान कार्यकाल में ट्रम्प की अमेरिका फर्स्ट नीति यह साफ करती है कि वे सहयोगियों को भी कनिष्ठ भागीदार से ज्यादा कुछ नहीं समझते। भारत को वैचारिक समानता या नेताओं के आपसी जुड़ाव के भ्रम से बाहर निकलकर विशुद्ध व्यावहारिक नीति अपनानी होगी। दूसरा, रणनीतिक चुप्पी हमेशा ताकत नहीं होती। भारत अक्सर यह मानता है कि वैश्विक नेताओं की टिप्पणियों पर चुप रहना परिपक्वता की निशानी है। लेकिन जब कोई देश आपके नेतृत्व या आपकी संप्रभुता पर कीचड़ उछाले, तो मेलोनी की तरह तुरंत और स्पष्ट रूप से जवाब देना नैरेटिव पर नियंत्रण के लिए आवश्यक हो जाता है। चुप्पी को कभी-कभी कमजोरी या सहमति के रूप में पढ़ लिया जाता है। और तीसरा, गठबंधन का मतलब आत्मसमर्पण नहीं होता। इटली नाटो का सदस्य है और सुरक्षा के लिए अमेरिका पर काफी हद तक निर्भर है, इसके बावजूद उसने अपने देश की सीमाओं और ठिकानों को अमेरिकी युद्ध के लिए इस्तेमाल होने से रोक दिया। भारत, जो किसी सैन्य गठबंधन का हिस्सा नहीं है और रणनीतिक स्वायत्तता का सबसे बड़ा पैरोकार है, उसे अपनी नो-गो लाइन्स को लेकर अमेरिका के सामने और अधिक मुखर होना चाहिए।

समाज का नैतिक पतन

डॉ वंदना शर्मा

आज बहुत से युवक-युवतियाँ शादी नहीं करना चाहते क्योंकि उन्होंने अपने घर में रोज लड़ाई-झगड़े होते देखे होंगे। किसी एक को ही सबकी खुशी के लिए पिसते देखा होगा। आत्म-सम्मान का अर्थ ही है अपनी आत्मा का सम्मान। स्वयं से प्यार करना बेहद जरूरी है। आज जिम्मेदारी से भागने लगे हैं और लिव इन में रहने लगे हैं। जिससे अपराध तो बढ़ें ही है रिश्तों से भरोसा गायब हो गया है। सहन शक्ति इतनी कम हो गई है लोगों की जरा सी बात पर दूसरे की जान लेना भी गुनाह नहीं लगता।

समाज में जब ऐसे लोगों को देखती हूँ तो बहुत दुख होता है। एक इंसान दूसरे इंसान के साथ कैसे अमानवीय व्यवहार कर सकता है। कितनी घिनौनी सोच होती होगी ऐसे हैवान रूपी मनुष्य की। समाज का नैतिक पतन हो चुका है।

अखबार और न्यूज चैनल में आए दिन ऐसी घटनाएँ देखने को मिलती हैं। प्रेमी ने प्रेमिका को धोखा दिया। किसी लड़की ने प्रेमी के लिए मंगेतर को पहाड़ी से गिरा दिया। कहाँ जा रहा है हमारा समाज। आज यह गंभीर चिंतन का विषय है।

आज युवा पीढ़ी की सोच, हरकतें इतनी खतरनाक हो चुकी हैं। किसी की हत्या करने से पहले हाथ भी नहीं काँपते। दूसरे की जान लेना आज की युवा पीढ़ी के लिए मजाक बन गया है। कैसे संस्कार दे रहे हैं हम अपने बच्चों को? अभिभावकों को जरूर सोचना चाहिए।

पैसों की अंधी दौड़ ने आज इंसान को भी अंधा बना दिया। सहनशीलता और धैर्य तो है ही नहीं आज के युवाओं में। हाल ही में मुंबई लोकल ट्रेन में एक युवक ने दूसरे यात्री को चाकू से गोद डाला जरा सी बात पर।

इतनी हिंसा इन लोगों के दिमाग में आती कहाँ से है। आधुनिकता और दिखावे की होड़ में माँ-बाप तो पैसा कमाने निकल जाते हैं और बच्चों को छोड़ जाते हैं डे-केयर में या आया के भरोसे। मुझे लगता है समस्या की जड़ कहीं न कहीं हमारी-आपकी दी हुई परवरिश में ही है।कुछ माँ-बाप शुरू से ही बच्चों के मन में ईर्ष्या के बीज बो देते हैं। ह्लअपनी चीज, अपने खिलौने किसी से शेयर न करना, कोई कुछ कहे तो उल्टा जवाब देना।ह्व कुछ माँ-बाप बच्चों की हर जिद पूरी करने में लगे रहते हैं, उन्हें एडजस्ट करना सिखाते ही नहीं हैं। मेरी एक परिचित है वो अपनी बेटी को फर्स्ट न आने पर इतना प्रेशर करती है कि बच्ची फर्स्ट न आने पर पूरे दिन रोती, दूसरी बच्ची से ईर्ष्या करने लगी। बच्चों को टीम भावना सिखाते ही कहाँ हैं।

आपको आज हर-तीसरे घर में जिद्दी बच्चे मिल जाएँगे जो अपनी जिद पूरी करने के लिए तोड़-फोड़ करने लगते हैं, माँ-बाप पर हाथ उठाते हैं। ऐसे बच्चे ही बड़े होकर अपराधी बनते हैं जिन्हें ह्यनाह्ल सुनने की आदत नहीं होती। जरा सी बात पर आक्रामक हो जाते हैं।

पहले बच्चे माँ-बाप, गुरुजनों से डरते थे, आज माँ-बाप बच्चों से डरते हैं झ कहीं उल्टा न बोल दे। पांचवीं छठी के बच्चे हिंसा में लिप्त पाए जाते हैं। जरा-जरा सी बात पर साथी बच्चों का सिर फोड़ देना, गला पकड़ना, बदमाशी करना, गाली देना, फ्रेंड/गर्लफ्रेंड बनाना आजकल के बच्चों का स्टेटस सिंबल बन गया है।

रही-सही कसर मोबाइल और फिल्मों ने पूरी कर दी। माँ-बाप बच्चों को शांत करने के लिए फोन पकड़ा देते हैं। बच्चा क्या देख रहा है, क्या सीख रहा है इस पर कोई निगरानी नहीं रखते।

महाभारत में एक उदाहरण आता है कि गाय अपने बछड़े को ही चाट रही है और बछड़ा कमजोर पड़ा है जिसका अर्थ धर्मराज युधिष्ठिर ने बताया था कि कलयुग में माँ-बाप ज्यादा प्यार और लाड़ में स्वयं ही अपने बच्चों को पंगु बना देंगे।

अधिक लाड़-प्यार ही बच्चों को बिगाड़ रहा है। बच्चों को सिखाएं अपना काम स्वयं करना, असफलता को स्वीकारना, किसी के द्वारा रिजेक्शन को स्वीकारना, पर्यावरण व जानवरों की रक्षा करना, दया, करुणा, सहयोग, दूसरों की सहायता करना सिखाएं। वरना ऐसी खबरें रोज देखने को मिलेंगी। मानवता शर्मसार हो रही है। संवेदनाएँ मर चुकी हैं। जिंदगी की कीमत इतनी सस्ती तो कभी नहीं थी कि किसी को जान से मारने से पहले हत्यारे के हाथ भी नहीं काँपते।

समस्या की जड़ बच्चों की परवरिश में ही है। पहले माँ-बाप को मोबाइल की लत छोड़नी पड़ेगी, पहले खुद सुधरना होगा तभी बच्चों को अपराधी बनने से रोक सकते हैं।

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

ललित गर्ग

पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन-दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक-दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कांटा समझने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के संकट का संकेत है।

राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने ह्यनाह्ल कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है?

इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धमार्चार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम-संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं।

मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने रिश्ते कई बार वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मयार्दाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित ह्यलव जिहादह्न जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है। यह आवश्यक है कि किसी भी प्रकार के संबंध पारदर्शिता, स्वेच्छा, समानता और ईमानदारी पर आधारित हों। पहचान छिपाकर, धोखे से अथवा किसी वैचारिक एजेंडे के तहत बनाए गए संबंध सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं।लेकिन इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कुछ घटनाओं के आधार पर किसी सम्पूर्ण समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी घातक है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द में निहित है। सदियों से विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों के लोग यहां पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर साथ रहते आए हैं। अतः किसी भी अपराध को अपराधी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि पूरे समुदाय की पहचान के रूप में। हमें प्रेम के नाम पर छल का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही सामाजिक सौहार्द और मानवीय एकता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। आज सबसे बड़ी चुनौती परिवार संस्था को पुनः सशक्त बनाने की है। संयुक्त परिवारों के विघटन, महानगरीय जीवन, एकाकीपन और अत्यधिक व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद को कम कर दिया है। माता-पिता और बच्चों के बीच संवादहीनता बढ़ रही है। बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो मिल रही हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा और मूल्यपरक संस्कार कम होते जा रहे हैं।विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में केवल रोजगारपरक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। वहां जीवन-कौशल, नैतिक शिक्षा, भावनात्मक संतुलन, संबंध प्रबंधन और पारिवारिक मूल्यों पर भी गंभीर कार्य होना चाहिए। युवा पीढ़ी को यह समझाना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं-उत्तरदायित्व है, संबंध का अर्थ उपभोग नहीं-समर्पण है और मतभेद का समाधान हिंसा नहीं-संवाद है।

धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी धर्म प्रेम, करुणा, सत्य, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश देते हैं। यदि धार्मिक संस्थाएं युवा पीढ़ी को मानवीय मूल्यों, आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति से जोड़ें, तो अनेक सामाजिक विकृतियों को रोका जा सकता है। आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ, महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने सदैव चरित्र, नैतिकता और आत्मानुशासन को समाज की आधारशिला माना।

पुणे और मेघालय की घटनाओं ने हमें चेतावनी दी है कि यदि हम अभी नहीं चेते, तो रिश्तों का संकट और गहरा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों स्तरों पर विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान चलाएं। परिवारों में संवाद बढ़े, युवाओं को निर्णय की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का बोध कराया जाए, डिजिटल संस्कृति पर संयम हो और सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाया जाए। सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, तकनीकी प्रगति और आर्थिक समृद्धि से नहीं होतीय उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक-दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं। यदि भरोसा टूट गया, तो समाज की आत्मा घायल हो जाएगी।

इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय दायित्व है-रिश्तों के भरोसे को बचाना, मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करना और प्रेम, विश्वास तथा सौहार्द की उस परंपरा को मजबूत करना, जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है।

आज भारतीय समाज जिस संक्रमणकाल से गुजर रहा है, उसमें रिश्तों का संकट केवल पति-पत्नी अथवा प्रेम-संबंधों तक सीमित नहीं रह गया है। एक ओर पुणे और मेघालय जैसी घटनाएं भरोसे के रिश्तों की हत्या कर रही हैं, तो दूसरी ओर प्रशासनिक लापरवाही के कारण अस्पतालों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों पर आगजनी एवं दुर्घटनाओं में मासूमों की मौतें व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास को तोड़ रही हैं।

सांप्रदायिक तनाव, धार्मिक कट्टरता, पहचान छिपाकर बनाए जाने वाले संबंध, प्रेम के नाम पर छल और शोषण जैसी घटनाएं भी सामाजिक सौहार्द की नींव को कमजोर कर रही हैं।

शहर किसके लिए: वाहन या नागरिक?

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत के शहर तेजी से बढ़ रहे हैं। महानगरों से लेकर मध्यम और छोटे शहरों तक शहरीकरण की गति अभूतपूर्व है। आर्थिक विकास, रोजगार के अवसरों और बेहतर सुविधाओं की तलाश में लाखों लोग प्रतिवर्ष शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। किंतु इस तीव्र शहरी विस्तार के बीच एक बुनियादी प्रश्न अक्सर उपेक्षित रह जाता है—क्या हमारे शहर अपने नागरिकों के लिए चलने योग्य हैं? क्या सड़कें केवल वाहनों के लिए हैं या मनुष्यों के लिए भी?

हाल ही में न्यायपालिका द्वारा सुरक्षित फुटपाथों पर चलने के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन और गरिमा के अधिकार से जोड़ते हुए मौलिक अधिकार की संज्ञा दिए जाने की दिशा में महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ की गई हैं। यह एक स्वागत योग्य संवैधानिक प्रोत्साहन है, क्योंकि यह पहली बार शहरी अवसंरचना को केवल निर्माण और यातायात के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि नागरिक अधिकारों और मानव गरिमा के संदर्भ में देखने का प्रयास करता है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या केवल न्यायिक घोषणा या कानूनी मान्यता से भारतीय शहर वास्तव में पैदल यात्रियों के अनुकूल बन जाएंगे? इस प्रश्न का उत्तर नकारात्मक है। वास्तविक परिवर्तन तब आएगा जब शहरी नियोजन की सोच वाहन-केंद्रित मॉडल से हटकर मानव-केंद्रित मॉडल की ओर अग्रसर होगी और समाज में पैदल चलने को सम्मानजनक एवं प्राथमिक परिवहन माध्यम के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

भारत में पैदल चलना कोई सीमित गतिविधि नहीं है। विभिन्न सरकारी और स्वतंत्र अध्ययनों के अनुसार देश में बड़ी संख्या में दैनिक यात्राएँ पूरी या आंशिक रूप से पैदल ही की जाती हैं। गरीब, मजदूर, विद्यार्थी, महिलाएँ, बुजुर्ग और दिव्यांग नागरिक सबसे अधिक पैदल यात्रा करते हैं। इसके बावजूद शहरी नियोजन में पैदल यात्रियों को सबसे कम प्राथमिकता मिलती है। अधिकांश शहरों में फुटपाथ या तो हैं ही नहीं, या इतने संकरे, टूटे हुए और अतिक्रमण से घिरे होते हैं कि उनका उपयोग करना कठिन हो जाता है। कई स्थानों पर फुटपाथ पार्किंग स्थल, दुकानों के विस्तार, ठेलों या निर्माण सामग्री के भंडारण में परिवर्तित हो जाते हैं।

इस स्थिति का सबसे दुखद परिणाम सड़क दुर्घटनाओं में दिखाई देता है। भारत विश्व में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों के मामले में अग्रणी देशों में है। इन दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या पैदल यात्रियों की होती है। सड़क पार करने, फुटपाथों की अनुपलब्धता और वाहनों की तेज गति के कारण हजारों लोग प्रतिवर्ष अपनी जान गंवाते हैं।

यह केवल परिवहन का संकट नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और मानवाधिकार का भी प्रश्न है।

संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इसकी व्याख्या का दायरा बढ़ाते हुए स्वच्छ पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास जैसे अधिकारों को भी इसमें शामिल किया है। सुरक्षित पैदल मार्गों का अधिकार इसी प्रगतिशील संवैधानिक दृष्टिकोण का विस्तार है। जब कोई नागरिक अपने घर से विद्यालय, कार्यालय, अस्पताल या बाजार तक सुरक्षित रूप से नहीं पहुँच सकता, तब उसके जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार अधूरा रह जाता है। इसलिए फुटपाथ केवल सीमेंट और कंक्रीट की संरचना नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता और समानता का प्रतीक हैं।

फिर भी केवल अधिकार की घोषणा पर्याप्त नहीं है। भारत में अनेक अधिकारों को कानूनी मान्यता प्राप्त होने के बावजूद उनके क्रियान्वयन में गंभीर चुनौतियाँ बनी हुई हैं। शिक्षा का अधिकार, स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार और भोजन का अधिकार इसके उदाहरण हैं। इसी प्रकार फुटपाथ के अधिकार को भी व्यवहार में उतारने के लिए प्रशासनिक इच्छाशक्ति, वित्तीय निवेश और संस्थागत सुधार आवश्यक होंगे।

भारतीय शहरी शासन की सबसे बड़ी समस्या इसका वाहन-केंद्रित दृष्टिकोण है। स्वतंत्रता के बाद विकास का जो मॉडल अपनाया गया, उसमें चौड़ी सड़कों, फ्लाईओवरों और एक्सप्रेसवे को आधुनिकता का प्रतीक माना गया। शहरों की सफलता को वाहनों की गति और सड़क क्षमता के आधार पर मापा गया। परिणामस्वरूप पैदल यात्री, साइकिल चालक और सार्वजनिक परिवहन उपयोगकर्ता हाशिए पर चले गए। नगर नियोजन का उद्देश्य लोगों की सुविधा के बजाय वाहनों की निर्बाध आवाजाही बन गया।

यह दृष्टिकोण सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के भी विपरीत है।

भारत में निजी कारों का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या अपेक्षाकृत कम है, जबकि अधिकांश नागरिक सार्वजनिक परिवहन, साइकिल या पैदल यात्रा पर निर्भर हैं। इसके बावजूद सार्वजनिक धन का बड़ा हिस्सा उन परियोजनाओं पर खर्च होता है जो मुख्यतः वाहन मालिकों को लाभ पहुँचाती हैं। इससे संसाधनों के वितरण में असमानता बढ़ती है और गरीब वर्गों की गतिशीलता प्रभावित होती है।

यमुना प्राधिकरण बना हाईटेक मैन्युफैक्चरिंग हब, हजारों युवाओं को मिलेगा रोजगार

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश देश के सबसे बड़े औद्योगिक और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में क्लस्टर आधारित औद्योगिक विकास को अभूतपूर्व गति मिली है। यहां अपैरल पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क, टॉय पार्क, एमएसएमई पार्क, हैंडीक्राफ्ट पार्क, ओडीओपी पार्क और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग पार्क विकसित किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं से प्रदेश में हजारों करोड़ रुपये का निवेश आने के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

गौतम बुद्ध नगर के सहायक निदेशक सूचना सुनील कुमार कनौजिया ने बताया कि उत्तर प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-10 में 206.40 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित होने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी पार्क) को 24 जून 2025 को मंजूरी प्रदान की है। इस परियोजना का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली औद्योगिक अवसंरचना विकसित कर इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के लिए विश्वस्तरीय इकोसिस्टम तैयार करना है। इसके लिए यीडा ने 28 मार्च 2024 को परियोजना प्रबंधन एजेंसी एसटीपीआई लिमिटेड के माध्यम से प्रस्ताव भेजा था। स्वीकृति मिलने के बाद 3 जुलाई 2025 को यीडा और एसटीपीआई के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। परियोजना के अनुसार ईएमसी पार्क का निर्माण कार्य 31 दिसंबर 2027 तक पूरा किया जाएगा। इसके लिए अवसंरचना निर्माण हेतु ईपीसी मोड पर टेंडर जारी किया गया, जिसके बाद मैसर्स जेएसपी प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को कार्य आवंटित किया गया है। समस्त आधारभूत संरचना का कार्य सितंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने बताया कि 206.40 एकड़ क्षेत्र में बनने वाले इस ईएमसी पार्क पर लगभग 417 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसमें केंद्र सरकार लगभग 144.48 करोड़ रुपये का योगदान देगी, जबकि यमुना प्राधिकरण द्वारा लगभग 272.52 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। यह पार्क उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के लिए नई संभावनाओं का द्वार खोलेगा।

यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-8 में सात्विक सोलर प्रा. लि. की अत्याधुनिक इकाई स्थापित की जा रही है। कंपनी को 200 एकड़ भूमि आवंटित की गई है, जहां सोलर सेल एवं सोलर मॉड्यूल का निर्माण होगा। इस परियोजना में 8,253 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है, जिससे लगभग 5,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। परियोजना का भूमिपूजन 14 नवंबर 2025 को किया गया था और वर्तमान में निर्माण प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।

यीडा के सेक्टर-10 स्थित इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर में एसेंड सर्किट्स प्रा. लि. को 16 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। कंपनी यहां फ्लेक्सिबल पीसीबी, हाई डेंसिटी इंटरकनेक्ट (एचडीआई) पीसीबी तथा सेमीकंडक्टर सब्सट्रेट्स का निर्माण करेगी। इस परियोजना में 3,250 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है, जिससे लगभग 1,500 लोगों को रोजगार मिलेगा। कंपनी को भूमि आवंटन 16 जनवरी 2026 को किया गया तथा 28 अप्रैल 2026 को लीज डीड निष्पादित की गई।

यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-8 में अंबर एंटरप्राइजेज इंडिया लि. को 100 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। यहां कंपनी कॉपर क्लैड लैमिनेट्स (सीसीएल), असेम्बली, कंप्यूटर इलेक्ट्रॉनिक्स एप्लायंसेज तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स का निर्माण करेगी।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अवध विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में भव्य सरोवर का किया लोकार्पण

अयोध्या।
प्रदेश की राज्यपाल एवं डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में नवनिर्मित भव्य सरोवर का लोकार्पण किया। उन्होंने सरोवर का अवलोकन करते हुए कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों को शिक्षा एवं अनुसंधान के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा पर्यावरण संवर्धन की दिशा में भी अनुकरणीय पहल करनी चाहिए। ऐसे प्रयास विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के साथ समाज को भी सकारात्मक संदेश देते हैं। राज्यपाल ने कहा कि आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं पर्यावरण-अनुकूल परिसर विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं

दीर्घकालिक उपयोगिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके उपरांत राज्यपाल ने परिसर में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं का अवलोकन किया। उन्होंने शैक्षणिक भवनों, आधारभूत सुविधाओं, सड़कों, हरित क्षेत्रों, पेयजल व्यवस्था तथा अन्य निमार्णाधीन परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखते हुए सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए तथा परिसर के समग्र विकास के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कुलाधिपति का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विकास योजनाओं एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरोवर का निर्माण, विश्वविद्यालय परिसर को हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने की व्यापक योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलेगा, भूजल स्तर में सुधार होगा तथा जैव विविधता के संरक्षण में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में हरित वातावरण विकसित करने, व्यापक वृक्षारोपण, जल संरक्षण तथा पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

वाराणसी : लहरतारा धाम में सद्गुरु कबीर साहेब का 628वां प्राकट्य महोत्सव शुरू

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी लहरतारा स्थित सद्गुरु कबीर प्राकट्यधाम में सद्गुरु कबीर का 628वां प्राकट्य महोत्सव शनिवार को धूमधाम से शुरू हुआ। त्रि-दिवसीय आयोजन का शुभारंभ 'सत्यनाम' अंकित ध्वजारोहण, प्रतिमा पूजन और आरती से हुआ।

नादवंशाचार्य पंथश्री हजूर अर्धनाम साहेब के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में देशभर से आए संत-महंतों ने कबीर साहेब के सत्य, अहिंसा, प्रेम और समता के संदेश को आत्मसात करने पर जोर दिया। भजन,

साखी और सत्संग से पूरा धाम परिसर भक्तिमय रहा। बिहार, बंगाल, ओडिशा, गुजरात, दिल्ली सहित कई राज्यों से श्रद्धालु शामिल हुए।

संत कबीर अकादमी, मगहर की ओर से आयोजित इस तीन दिवसीय निर्गुण त्रिधारा भक्ति उत्सव में देशभर के संत, विद्वान, कलाकारों के साथ पद्मश्री कालूराम बामनिया, बेबी सिसोदिया, बंजारन सिस्टर्स, देवेन्द्र दास ताना-बाना ग्रुप, ओम प्रकाश पटेल, दिनेश कुमार जांगड़े और प्रीति बामनिया सहित कई ख्यातिप्राप्त कलाकार निर्गुण भक्ति और कबीर गायन की प्रस्तुतियां देंगे।

कार्यक्रम में दूसरे दिन रविवार को कबीर मठ बेलसड़ी, गाजीपुर में निर्गुण त्रिधारा भक्ति उत्सव का आयोजन होगा। यहां पद्मश्री भेरूसिंह चौहान सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकार कबीर वाणी और निर्गुण भक्ति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे।

योध्या में श्रद्धालुओं के स्वागत का प्रतीक बनेगा गेट कॉम्प्लेक्स

अयोध्या।
रामनगरी अयोध्या को एक नई पहचान और आधुनिक स्वरूप मिल गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी पहल और पर्यटन विभाग के प्रयासों से अयोध्या-सुल्तानपुर मार्ग पर भारत कुंड व बीकापुर के बीच में भव्य गेट कॉम्प्लेक्स एवं बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। यह परियोजना न केवल अयोध्या के प्रवेश द्वार को भव्य बनाएगी, बल्कि धार्मिक पर्यटन को नई गति भी प्रदान करेगी। परियोजना की कुल स्वीकृत लागत 20.25

करोड़ रुपये है।

कार्यदाई संस्था यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 2023 में कार्य शुरू कराया गया था। यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड अयोध्या के परियोजना प्रबंधक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि परियोजना की भौतिक प्रगति पूरी कर ली गई है।

पर्यटन विभाग की यह महत्वाकांक्षी परियोजना अयोध्या को विश्व स्तर के पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य अयोध्या में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना है। राम मंदिर, हनुमान गढ़ी, कनक भवन सहित अन्य प्रमुख स्थलों पर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए यह गेट कॉम्प्लेक्स स्वागत का प्रतीक बनेगा। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर से पर्यटकों की संख्या में इजाफा होने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। काबिलेगौर है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को विश्व का सबसे सुंदर और सुव्यवस्थित धार्मिक शहर बनाने का संकल्प लिया है। गेट कॉम्प्लेक्स और बाउंड्री वॉल का निर्माण इसी संकल्प का हिस्सा है। इस परियोजना के पूरा होने से अयोध्या की सुंदरता, सुरक्षा और व्यवस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

भव्यता से श्रद्धालु और पर्यटक का ध्यान हो रहा आकर्षित

नए गेट कॉम्प्लेक्स में भव्य प्रवेश द्वार, आकर्षक वास्तुकला, उच्च गुणवत्ता वाली लाइटिंग व्यवस्था और आधुनिक सुरक्षा सुविधाएं शामिल हैं। बाउंड्री वॉल ने पूरे क्षेत्र को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बना दिया है। दिन हो या रात, यह गेट कॉम्प्लेक्स अपनी भव्यता से हर आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक का ध्यान आकर्षित कर रहा है।

शराब बिक्री करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र पुलिस टीम द्वारा वांछित अभियुक्त गंगाराम निषाद निवासी ग्राम मवैया थाना औद्योगिक क्षेत्र जनपद प्रयागराज को मवैया मंदिर के पास से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि औद्योगिक थाना क्षेत्र पुलिस टीम द्वारा अवैध देशी शराब, शराब बनाने के उपकरण तथा अपमिश्रण में प्रयुक्त सामग्री के साथ दो अभियुक्त गिरिजाशंकर निषाद निवासी ग्राम मवैया थाना औद्योगिक क्षेत्र, जिगनेश निवासी ग्राम मवैया थाना औद्योगिक क्षेत्र प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया था । इस संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया था। पंजीकृत किया गया था। रविवार को मुकदमे के वांछित अभियुक्त गंगाराम निषाद को ग्राम मवैया मंदिर के पास से गिरफ्तार किया गया ।

पुलिस अधीक्षक ने दिए दिशा निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा के सफल एवं निष्पक्ष आयोजन के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराने पर विशेष बल दिया। अधिकारियों को अभ्यर्थियों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

ब्रीफिंग के दौरान 12वीं बटालियन पीएसी फतेहपुर के सेनानायक मनोज कुमार अवस्थी, उपसेनानायक श्यामदेव, अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश राय, क्षेत्राधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी थरियांव, क्षेत्राधिकारी जाफरगंज, सैन्य सहायक श्रीमती प्रतिमा सिंह तथा भर्ती बोर्ड के सदस्य बीपी त्रिपाठी उपस्थित रहे।

फरुर्खाबाद: जिलाधिकारी ने बच्चे को जिंदगी की दो बूंद पिला कर की पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत

फरुर्खाबाद।उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जिले में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को पोलियो की खुराक भी पिलाई।

सेवा ही डॉ. ब्रह्म प्रकाश सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि : डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह

प्रयागराज।
ब्रह्म प्रकाश सिंह का जीवन शिक्षा, समाजसेवा और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। उनकी स्मृति को जीवंत रखने के लिए सोसाइटी प्रत्येक वर्ष विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन करती है। उक्त बातें शनिवार को डॉ. ब्रह्म प्रकाश सिंह मेमोरियल सोसाइटी ने अपने प्रेरणास्रोत डॉ. ब्रह्म प्रकाश सिंह की पुण्यतिथि पर सेवा और सामाजिक सरोकार का संदेश देते हुए जरूरतमंद एवं असहाय लोगों के बीच वस्त्र वितरण कार्यक्रम के मौके पर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह ने कहीं।

एआई तकनीक का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएंगे : सीए विनीत रुंगटा

कानपुर।
इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग तेजी से हर क्षेत्र में बढ़ रहा है। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स भी इस तकनीक का प्रभावी इस्तेमाल कर अपने क्लाइंट्स को बेहतर और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराएंगे। साथ ही समाज को भी एआई के लाभों के प्रति जागरूक किया जाएगा। यह बातें शनिवार को कानपुर चार्टर्ड अकाउंटेंट्स सोसायटी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सीए विनीत रुंगटा ने कहीं।

कानपुर चार्टर्ड अकाउंटेंट्स सोसायटी की 39वीं वार्षिक आम सभा हरिहर नाथ शास्त्री भवन, खलासी लाइन में आयोजित हुई।

बैठक की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष सीए अखिलेश तिवारी ने की। इस दौरान वर्षभर आयोजित शैक्षणिक, व्यावसायिक और सामाजिक गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। साथ ही संस्था की आय-व्यय का वार्षिक लेखा-जोखा और ऑडिट रिपोर्ट सदस्यों के समक्ष रखी गई, जिसे सर्वसम्मति से मंजूरी प्रदान की गई।

आम सभा में वर्षभर आयोजित व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों, वेबिनार, सेमिनार, आयकर एवं जीएसटी से जुड़े तकनीकी सत्रों, आवासीय रिफ्रेशर कोर्स, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पारिवारिक मिलन और टी-20 क्रिकेट लीग जैसी गतिविधियों की समीक्षा की गई। वरिष्ठ सदस्यों और बड़ी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने संगठन की भावी योजनाओं एवं विकास से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की।

सभा में वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से सीए विनीत रुंगटा को अध्यक्ष, सीए वैभव गुप्ता को सचिव, सीए विवेक बेरीवाल को कोषाध्यक्ष तथा सीए आकाश गुप्ता को संयुक्त सचिव चुना गया। वहीं सीए शाश्वत गुप्ता को सोसायटी का ऑडिटर नियुक्त किया गया।

अध्यक्षीय संबोधन में सीए अखिलेश तिवारी ने कहा कि बदलते कर ढांचे, जीएसटी अनुपालन, फेसलेस असेसमेंट, डेटा एनालिटिक्स, ऑडिट मानकों और तकनीक आधारित पेशेवर माहौल में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

सोसायटी का उद्देश्य अपने सदस्यों को अद्यतन जानकारी, व्यावहारिक अनुभव और मजबूत पेशेवर मंच उपलब्ध कराना है।

यमुना तट पर चला जीवनधारा पौधारोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठक

औरैया।
पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति द्वारा संचालित जीवनधारा पौधारोपण अभियान के तहत रविवार सुबह यमुना तट पर व्यापक पौधारोपण किया गया। अभियान के अंतर्गत पीपल, बरगद, अशोक, हरसिंगार, पकड़िया एवं चितवन जैसे लंबी आयु वाले पौधे लगाए गए तथा उनकी देखभाल की जिम्मेदारी यमुना मैया के सेवादारों को सौंपी गई।

समिति द्वारा 5 जून 2026 से 5100 पौधे लगाने के लक्ष्य के साथ लगातार पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) ने बताया कि अभियान के

माध्यम से लोगों को उनकी पसंद के पौधे भी निःशुल्क वितरित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग पर्यावरण संरक्षण से जुड़ सकें।

पौधारोपण कार्यक्रम के उपरांत यमुना तट स्थित राम झरोखा में आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) ने की, जिसमें अभियान को और अधिक प्रभावी एवं गतिशील बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

समिति के संस्थापक आनन्द नाथ गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि पर्यावरण असंतुलन के कारण तापमान लगातार बढ़ रहा है और मानसून की देरी से जमीन में नमी की कमी बनी हुई है। उन्होंने बताया कि समिति के सदस्य सार्वजनिक मंदिरों, पार्कों एवं मार्गों का निरीक्षण कर पौधारोपण के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित कर रहे हैं। मौसम में नमी बढ़ते ही व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण ही आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है।

इस दौरान डॉ. आर्य प्रबुद्ध, विनोद कुमार पोरवाल, शिक्षक शिवम गुप्ता, हिमांशु दुबे, रुचिर अग्रवाल, सतीश, रामप्रसाद, अजय बाल्मीक सहित समिति के अनेक सदस्य एवं पर्यावरण प्रहरी मौजूद रहे।

प्रगतिशील किसान के तीन एकड़ प्रक्षेत्र में डीएसआर पद्धति से करायी गई धान की बुवाई

वाराणसी।
वाराणसी में सेवापुरी विकास खण्ड में प्रगतिशील किसान हौसिला प्रसाद दुबे से रविवार को कृषि विभाग के अधिकारियों ने मुलाकात कर तीन एकड़ प्रक्षेत्र में डीएसआर पद्धति द्वारा धान की बुवाई कराया। कृषि विभाग के संयुक्त कृषि निदेशक शैलेन्द्र ने कहा कि अल नीनो के चलते इस वर्ष बारिश कम होने की संभावना है। ऐसे में डीएसआर जिसमें की 30 से चालीस प्रतिशत तक कम पानी लगता है, किसानों के लिए वरदान साबित हो रहा है। प्रगतिशील किसान हौसिला प्रसाद को इसका लाभ मिला है।

उन्होंने कहा कि सेवापुरी विकास खण्ड पर किसानों को हाइब्रिड मक्का प्रदर्शन के लिए निशुल्क बीज भी वितरित किया गया। किसानों को कम पानी की फसलें जिसमें श्रीअन्न, मक्का, बाजरा आदि के लिए प्रेरित किया गया है।

देवरिया में उत्साह के साथ मनाया गया 'हिंदू साम्राज्य उत्सव दिवस', शिवाजी महाराज के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

देवरिया।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) देवरिया नगर के तत्वावधान में शनिवार को सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में 'हिंदू साम्राज्य उत्सव दिवस' का भव्य आयोजन किया गया। छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों, सामाजिक कार्यकताओं, गणमान्य नागरिकों एवं नगरवासियों ने भाग लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति, अनुशासन और सांस्कृतिक गौरव का वातावरण देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद उपस्थित लोगों ने शिवाजी महाराज के शौर्य, राष्ट्रभक्ति, संगठन क्षमता और आदर्श शासन व्यवस्था को स्मरण करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया।

मुख्य वक्ता दीपेंद्र ने अपने संबोधन में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज भारतीय इतिहास के ऐसे महानायक थे, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी साहस, रणनीति और अद्वितीय नेतृत्व क्षमता के बल पर हिंदवी स्वराज की स्थापना की। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज का जीवन स्वाभिमान, अनुशासन, संस्कृति संरक्षण और राष्ट्र सेवा का प्रेरणास्रोत है। आज की युवा पीढ़ी को उनके आदर्शों को अपनाकर समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

वक्ताओं ने शिवाजी महाराज की जनकल्याणकारी नीतियों, कुशल प्रशासन और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में उनके योगदान पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने समाज में एकता, सेवा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया।

श्रीलंका में जाइडस लगाएगी 2 करोड़ डॉलर का दवा संयंत्र

जाइडस ने सनशाइन के साथ मिलाया हाथ, आयात पर घटेगी निर्भरता

नई दिल्ली ।

भारतीय दवा कंपनी जाइडस लाइफसाइंसेज ने श्रीलंका की सनशाइन हेल्थकेयर के साथ मिलकर 2 करोड़ डॉलर से अधिक के निवेश से एक दवा विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की घोषणा की है। इस साझेदारी का मुख्य लक्ष्य श्रीलंका की दवा आयात पर निर्भरता को कम करना और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना है। दोनों कंपनियों ने जाइडस सनशाइन लाइफसाइंसेज नामक संयुक्त उद्यम बनाया है, जो होराना के निवेश बोर्ड (बीओआई) क्षेत्र में लगभग चार एकड़ भूमि पर इस अत्याधुनिक इकाई को स्थापित करेगा। यह संयंत्र स्थानीय खुदरा बाजार के लिए उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं का उत्पादन कर उनकी उपलब्धता बढ़ाएगा और देश की स्वास्थ्य सेवा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेगा। यह पहल श्रीलंका की हालिया आर्थिक चुनौतियों के बाद स्थानीय विनिर्माण पर जोर देने की नीति के अनुरूप है, जिसने आयात पर निर्भर क्षेत्रों की कमजोरियों को उजागर किया था। इस संयुक्त उद्यम से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, रोजगार सृजन और देश की दवा विनिर्माण क्षमताओं के विकास में भी सहायता मिलेगी। इसे जाइडस की विनिर्माण विशेषज्ञता और सनशाइन के मजबूत घरेलू वितरण नेटवर्क का लाभ प्राप्त होगा।

सरकारी गेहूं खरीद का नया कीर्तिमान, लक्ष्य से आगे निकला देश

केंद्र ने निर्धारित 355.4 लाख टन का लक्ष्य पार किया

नई दिल्ली ।

इस वर्ष देश में सरकारी गेहूं खरीद ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। केंद्र सरकार ने निर्धारित 355.4 लाख टन के लक्ष्य को पार करते हुए 21 जून तक कुल 357.6 लाख टन गेहूं की खरीद की है। यह पिछले साल की समान अवधि की 299.5 लाख टन खरीद से लगभग 19 फीसदी अधिक है, जो किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने में सहायक है। यह अभूतपूर्व सफलता मुख्य रूप से गेहूं उत्पादन में वृद्धि और सरकार की व्यापक खरीद व्यवस्था के कारण संभव हुई है। प्रारंभिक 303 लाख टन के खरीद लक्ष्य को, बेहतर उत्पादन और राज्यों की मांग पर, चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर 355.4 लाख टन तक किया गया था। इस खरीद अभियान में कई राज्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। पंजाब (121.6 लाख टन) और मध्य प्रदेश (104.4 लाख टन) का योगदान सबसे महत्वपूर्ण रहा। राजस्थान में रिकॉर्ड 27.1 लाख टन गेहूं खरीदा गया, जबकि उत्तर प्रदेश में 21.6 लाख टन और बिहार में 40,364 टन की खरीद हुई, जो दोनों ही राज्यों में पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी से अधिक है।

वाणिज्यिक वाहन उद्योग की रफ्तार बरकरार

ग्रामीण क्षेत्रों से मिल रहा मजबूत सहारा

नई दिल्ली ।

भारतीय वाणिज्यिक वाहन उद्योग ने मई महीने में अपनी वृद्धि की गति बनाए रखी, जहाँ थोक बिक्री में साल-दर-साल 13.5 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया। जीएसटी दरों में कटौती और ग्रामीण क्षेत्रों से बढ़ती मांग ने इस बढ़त में अहम भूमिका निभाई। हालाँकि, मासिक आधार पर बिक्री में हल्की कमी भी देखी गई, जो मजबूत सुधार के बाद मांग के सामान्यीकरण का संकेत देती है। आईसीए के अनुसार, वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री मई में 5.3 फीसदी बढ़ी। खास बात यह है कि ग्रामीण इलाकों में यह वृद्धि शहरी क्षेत्रों की तुलना में कहीं अधिक तेज़ रही, जो छोटे शहरों और गांवों में बेहतर माल ढुलाई का संकेत है। हल्के वाणिज्यिक वाहनों ने सर्वाधिक 7.7 फीसदी की खुदरा वृद्धि दर्ज की, जिसे जीएसटी राहत और अंतिम-मील वितरण की बढ़ती मांग से बल मिला। वित्त वर्ष 2027 के पहले दो महीनों में थोक बिक्री कुल 15 फीसदी बढ़ी है, जो उद्योग की सकारात्मक गति को दर्शाता है।

कोयले से गैस बनाने 37,500 करोड़ की प्रोत्साहन योजना शुरू

केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने घरेलू कोयले से गैस उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 37,500 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन योजना शुरू कर दी है। हाल ही में जारी अधिसूचना के साथ, इसका लक्ष्य देश में कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को गति देना है।

योजना में प्रतिस्पर्धी बोली व्यवस्था होगी, जिसमें कम वित्तीय प्रोत्साहन मांगने वालों को उच्च मूल्यांकन अंक मिलेंगे। पात्र संयंत्रों और मशीनरी की लागत का 20 फीसदी तक वित्तीय सहायता का प्रावधान है। लाभ के केंद्रीकरण को रोकने के लिए, मंत्रालय ने सुरक्षा उपाय भी किए हैं; किसी भी परियोजना के लिए 5,000 करोड़ रुपए, किसी कॉर्पोरेट समूह के लिए 12,000 करोड़ रुपए और अधिकांश डाउनस्ट्रीम उत्पादों (यूरिया/एसएनजी को छोड़कर) के लिए 9,000 करोड़ रुपए की अधिकतम सहायता सीमा तय की गई है। इसका उद्देश्य घरेलू कोयले से सिनगैस, मेथनॉल, अमोनिया और एसएनजी जैसे उत्पादों का उत्पादन बढ़ाना है। यह योजना लगभग 7.5 करोड़ टन कोयले से गैस बनाने की क्षमता वाली परियोजनाओं को समर्थन देगी, जिससे 2030 तक 10 करोड़ टन कोयला गैसीकरण के राष्ट्रीय लक्ष्य में मदद मिलेगी।

भारत के लग्जरी कार बाजार की रफ्तार थमी, पांच साल की तेजी पर लगा ब्रेक

मुंबई ।

रत के लग्जरी कार बाजार की पांच साल की शानदार रफ्तार पर 2026 की पहली छमाही में ब्रेक लग गया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, रुपये की कमजोरी और लगातार बढ़ती कीमतों के कारण 40 लाख से अधिक कीमत वाली कारों की बिक्री में ठहराव आ गया है। उद्योग के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, लग्जरी कारों की बिक्री 24,000 से 25,000 यूनिट के बीच ही सीमित रही। पिछले पांच सालों में लग्जरी कारों की कीमतों में 25-30 प्रे तिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिसका मुख्य कारण यूरो के मुकाबले रुपये की कमजोरी और बढ़ी हुई आयात लागत है। इससे प्रीमियम सेगमेंट के वे ग्राहक, जो पहली बार लग्जरी कार खरीदना चाहते थे, अब अपनी खरीदारी टाल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाई-नेट-वर्थ निवेशक भी वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव को देखते हुए बड़े खर्चों से बच रहे हैं। हालांकि, सबसे महंगी और हाई-एंड अल्ट्रा-लग्जरी कारों की मांग अब भी मजबूत बनी हुई है, जिस पर वाहन निर्माता कंपनियां अब अधिक ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

जुलाई में 12 दिन बंद रहेंगे बैंक, जाने से पहले चेक करें छुट्टियों की लिस्ट

आरबीआई कैलेंडर के मुताबिक पूरे देश में अलग-अलग तारीखों पर रहेंगी छुट्टियां

मुंबई।

अगले महीने जुलाई में बैंक जाने की सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अवकाश कैलेंडर के अनुसार, जुलाई में देशभर में बैंक कुल 12 दिन बंद रहेंगे। इन छुट्टियों में साप्ताहिक अवकाश के साथ-साथ कई राज्यों में स्थानीय त्योहार और विशेष अवसर भी शामिल हैं।

ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे ब्रांच जाने से पहले अपने शहर की छुट्टियों की सूची अवश्य जांच लें ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके। जुलाई में बैंक 5, 12, 19 और 26 तारीख को रविवार के कारण बंद रहेंगे। इसके अतिरिक्त, 11 जुलाई को दूसरा शनिवार और 25 जुलाई को चौथा शनिवार होने के कारण भी बैंकों में अवकाश रहेगा। इन छह साप्ताहिक छुट्टियों के अलावा, कई राज्यों में स्थानीय पर्वों पर भी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी।

इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी ने दिखाया दम निवेशकों में लौटी खुशी

धीमी मॉनसून चाल ने बढ़ाई फिक्र, मंगलवार को बाजार में हुई बड़ी बिकवाली

मुंबई ।

पिछले हफ्ते मोहर्रम की छुट्टी के कारण भारतीय शेयर बाजार में केवल चार कारोबारी सत्र रहे, जो उतार-चढ़ाव से भरे रहे। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को शानदार उछाल के साथ हुई, निवेशकों के लिए खुशियां लेकर आई। हालांकि, मंगलवार को बाजार में तेज गिरावट देखने को मिली, जिससे शुरुआती बढ़त बेअसर हो गई। सप्ताह के मध्य और अंत में मजबूत रिकवरी दर्ज की गई, लेकिन मॉनसून की धीमी चाल एक चिंता का विषय बनी रही, जिसने निवेशकों और नीति-निर्माताओं के माथे पर लकीरें खींचे रखीं। सप्ताह का पहला कारोबारी दिन सोमवार शेयर बाजार के लिए एक जोरदार वापसी लेकर आया। सेंसेक्स 423 अंकों की बढ़त के साथ 77,226 पर खुला और दिन के दौरान 77,325 के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंच गया। अंत में, सेंसेक्स 291 अंक और निफ्टी 89 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे निवेशकों को शुक्रवार की गिरावट के बाद बड़ी राहत मिली। हालांकि, यह उत्साह मंगलवार को फीका पड़ गया, जब भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती बढ़त के बाद बाजार लाल निशान में फिसला और अंततः सेंसेक्स लगभग 900 अंक लुढ़क गया, जबकि निफ्टी 23,900 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे आ गया। सूचना प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक शेयरों में बिकवाली का भारी दबाव देखा गया। सप्ताह के मध्य में, भारतीय बाजार ने प्रभावशाली वापसी की। बुधवार को सेंसेक्स-निफ्टी हरे निशान पर खुले और दिन के कारोबार में सेंसेक्स 900 से अधिक अंकों तक उछल गया, जबकि निफ्टी ने 24,050 का अहम स्तर पार कर लिया। फाइनेंशियल और आईटी सेक्टर के शेयरों ने इस बुलिश रैली में अहम भूमिका निभाई, जिससे निवेशकों को लगभग दो लाख करोड़ रुपये का फायदा मिला। गुरुवार को भी यह तेजी बरकरार रही, कच्चे तेल की गिरती कीमतों ने बाजार के सेंटीमेंट को और मजबूत किया। सेंसेक्स 109 अंक चढ़कर और निफ्टी 24,050 के पार बंद हुए। कुल मिलाकर, यह सप्ताह भारतीय बाजार की लचीली प्रकृति को दर्शाता है, लेकिन धीमी मॉनसून की चाल भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता बनी हुई है।

ओपन एआई ने भारत के लिए उबर के पूर्व प्रमुख प्रभजीत को एमडी नियुक्त किया

सितंबर से संभालेंगे कमान, देश में एआई के विस्तार और रणनीतिक साझेदारियों पर रहेगा जोर

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दुनिया में अग्रणी ओपन एआई ने भारत में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। कंपनी ने उबर इंडिया और दक्षिण एशिया के पूर्व अध्यक्ष प्रभजीत सिंह को भारत का नया मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति देश में जनरेटिव एआई की बढ़ती मांग और ओपन एआई की व्यापक उपस्थिति दर्ज कराने के उद्देश्य से की गई है, जिससे भारत में एआई इकोसिस्टम को नई गति मिलने की उम्मीद है।

प्रभजीत सिंह सितंबर से भारत के एमडी के रूप में अपनी जिम्मेदारियां संभालेंगे और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के एमडी किरण मणि को रिपोर्ट करेंगे। भारत में ओपनएआइ के सबसे वरिष्ठ अधिकारी के तौर पर, वे उपभोक्ता सेवाओं के विस्तार, एंटरप्राइज अपनाने, रणनीतिक साझेदारियों, नियामक मामलों और संचालन की देखरेख करेंगे।

सिंह उबर के साथ लगभग 11 वर्षों तक जुड़े रहे, जहां उन्होंने भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश में कंपनी के मोबिलिटी कारोबार का नेतृत्व किया।

आईआईटी खड़गपुर और आईआईएम अहमदाबाद से शिक्षित सिंह का तकनीक, रणनीति और बिजनेस डेवलपमेंट का व्यापक अनुभव ओपन एआई के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण एआई बाजारों में से एक मानते हुए ओपनएआई इस नियुक्ति के जरिए देश में अपनी पैठ बढ़ाने और नवाचार को गति देने का लक्ष्य बना रही है।

फॉक्सकॉन का भारतीय इकाई में बड़ा निवेश, 99.9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

72 करोड़ डॉलर में हुई शेयर खरीद, कंपनी भारत में उत्पादन व रणनीतिक विस्तार पर केंद्रित

नई दिल्ली।

ताइवान की दिग्गज इलेक्ट्रॉनिक कंपनी फॉक्सकॉनने अपनी भारतीय सहायक कंपनी, फॉक्सकॉन हॉन हाई टेक्नॉलजी इंडिया मेगा डेवलपमेंट लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 99.9 फीसदी कर दी है। समूह की सहायक कंपनी फॉक्सकॉन सिंगापुर ने 3.72 करोड़ डॉलर में लगभग 35.173 करोड़ शेयर खरीदे हैं, जिससे भारतीय इकाई में उसकी कुल हिस्सेदारी 2.82 अरब डॉलर मूल्य के 23.18 अरब शेयर हो गई है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, यह कदम ऐसे समय आया है जब फॉक्सकॉन अपनी 3+3+3 रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन, डिजिटल स्वास्थ्य सेवा और रोबोटिक जैसे उभरते उद्योगों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सेमीकंडक्टर जैसी तकनीकों के साथ जोड़ा जा रहा है। आईफोन बनाने वाली यह सबसे बड़ी कंपनी भारत में अपने उत्पादन को लगातार बढ़ा रही है। चेन्नई के श्रीपेरुंबुदूर में इसका सबसे बड़ा विनिर्माण आधार है, जहां ऐपल आईफोन की असेंबलिंग की जाती है। इस निवेश से तमिलनाडु में बड़े पैमाने पर और निवेश की उम्मीद है।

वैश्विक शांति वार्ता से तेल बाजार को राहत, भारत में ईंधन हो सकता है सस्ता

घरेलू बाजार में दाम स्थिर, पिछले महीने हुई थी भारी बढ़ोतरी

मुंबई ।

अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में हुई प्रगति ने अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार को राहत दी है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। इस वैश्विक बदलाव से भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती की उम्मीद जगी है। हालांकि, भारतीय तेल कंपनियों ने 27 जून को जारी अपने नवीनतम दरों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की लगातार घटती कीमतों ने घरेलू उपभोक्ताओं में राहत की आस जगाई है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि आने वाले दिनों में देश में पेट्रोल और डीजल के दाम कम हो सकते हैं। हालांकि, वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे बड़े बदलावों के कारण यह स्थिरता कब तक बनी रहेगी, इस पर सबकी निगाहें हैं। आज 27 जून 2026 को जारी नए रेट्स के अनुसार, तेल कंपनियों ने कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने आम जनता पर ईंधन के बढ़ते दामों का भारी बोझ पड़ा था। 25 मई को हुई आखिरी बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल करीब 7.50 रुपये और डीजल लगभग 7.60 रुपये प्रति लीटर तक महंगा हो गया था, जो चार साल बाद दर्ज की गई सबसे बड़ी वृद्धि थी। इसी कड़ी में, सीएनजी और एलपीजी के दामों में भी इजाफा हुआ है। दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर मार्च से जून 2026 के बीच दो बार बढ़कर 942 रुपये का हो चुका है। अब देखना होगा कि वैश्विक नरमी का लाभ आम जनता को कब मिलता है।

मंत्री ने ब्रिटेन में सीईटीए की तैयारियों की समीक्षा की

लंदन ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लंदन में भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (सीईटी) से परिवर्तनकारी आर्थिक वृद्धि का आह्वान किया। वे 15 जुलाई से लागू होने वाले इस समझौते की तैयारियों की समीक्षा के लिए ब्रिटेन दौरे पर हैं। गोयल ने भारतीय उद्योग प्रतिनिधिमंडल से चर्चा में कहा कि सीईटीए का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के लिए परिवर्तनकारी आर्थिक विकास होना चाहिए। उन्होंने भारतीय और ब्रिटिश कंपनियों को उन्नत विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में सहयोग से कारोबार विस्तार का सुझाव दिया। मंत्री ने जोर दिया कि भारत को अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सामान्य 4-6 फीसदी वृद्धि दर से कहीं अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखने होंगे। गोयल ने बताया कि सीईटीए केवल शुल्क नियमों तक सीमित नहीं है, बल्कि 48 अरब पाउंड के द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का अवसर है। उन्होंने अगले महीने लागू होने वाले दोहरा योगदान समझौता भी

जिक्र किया। इस अवसर पर विभिन्न औद्योगिक संगठनों की रिपोर्टें भी जारी की गईं।

एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल सुरक्षित सरकार ने अफवाहों पर दी सफाई

निराधार दावों और पुरानी तस्वीरों के गलत इस्तेमाल पर आपत्ति जताई

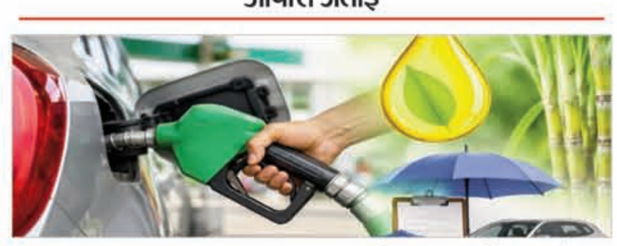

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे भ्रामक और निराधार दावों पर कड़ी आपत्ति जताई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जोर देकर कहा है कि यह कार्यक्रम वैज्ञानिक रूप से मान्य है और इन दावों का उद्देश्य जनता को भ्रमित करना प्रतीत होता है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को वैज्ञानिक आधार पर लागू किया गया है और इसकी लगातार निगरानी की जा रही है।

मंत्रालय ने बताया कि 2003 में ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, कच्चे तेल के आयात को कम करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया यह कार्यक्रम, तकनीकी तैयारियों और हितधारकों के परामर्श से चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है। 2023 से 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण के कार्यान्वयन के बाद से, इंजन की खराबी या वाहन के टूटने की कोई व्यापक समस्या सामने नहीं आई है। मंत्रालय ने विशिष्ट दावों का खंडन करते हुए कहा कि ईंधन टैंक में पानी का प्रवेश किसी भी ईंधन के लिए अवांछनीय है और आधुनिक वाहनों में इसे रोकने के लिए डिजाइन संबंधी सुरक्षा उपाय मौजूद हैं। गन्ने के रस को सीधे पेट्रोल में मिलाने वाले वीडियो भ्रामक हैं, क्योंकि ईंधन में उपयोग होने वाला एथेनॉल औद्योगिक प्रक्रियाओं द्वारा तैयार होता है और सख्त गुणवत्ता मानकों का पालन करता है। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने चींटियों वाले वायरल वीडियो पर भी सफाई देते हुए कहा कि ईंधन-ग्रेड एथेनॉल में कोई चीनी नहीं होती और इसमें कीट-विकर्षक डिनेचुरेंट्स होते हैं, इसलिए चींटियों के आकर्षण का दावा वैज्ञानिक रूप से निराधार है। इसी प्रकार, वाहन बीमा की वैधता प्रभावित होने के दावों को भी निराधार पाया गया है।

एयर इंडिया जल्द बहाल कर सकती है अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

ईंधन महंगा होने पर लगा दी थी रोक

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया के एक प्रमुख अधिकारी कैंपबेल विल्सन ने संकेत दिया है कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और विमान ईंधन की कीमतों में नरमी आने से एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में की गई कटौती को जल्द ही वापस ले सकती है। पिछले महीनों में हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों और बढ़ती ईंधन लागत के कारण एयर इंडिया ने अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 27 फीसदी और घरेलू उड़ानों में 22 फीसदी की अस्थायी कटौती की थी, जिससे कई मार्गों पर परिचालन लागत बढ़ गई थी। विल्सन ने कर्मचारियों को भेजे एक संदेश में कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष में कमी आई है, जिससे अधिक हवाई क्षेत्र उपलब्ध हुआ है और ईंधन की कीमतों में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है। उन्होंने जोर दिया कि यदि यह सकारात्मक रुझान जारी रहता है, तो एयरलाइन हाल की उड़ानों के कार्यक्रम में की गई कटौतियों को वापस लेने में सक्षम होगी, जिससे कुछ शहरों के लिए उड़ानें फिर से शुरू हो सकती हैं। हालांकि, उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि तनाव के फिर से बढ़ने की कोई गारंटी नहीं है। इस बीच, एयर इंडिया इस साल अपने बेड़े में आठ नए या पुनर्निर्मित चौड़ी बॉडी वाले विमान शामिल करेगी, जिसमें जल्द ही आने वाला एक नया बोइंग 787-9 भी शामिल है।

विल्सन ने उम्मीद जताई कि ये विमान सेवाओं में सुधार करेंगे और नए रूट शुरू करने में सहायक होंगे, जिससे यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा और एयरलाइन की परिचालन क्षमता बढ़ेगी।

सीरीज बचाने की चुनौती के साथ उतरेगा भारत, दूसरे टी20 में बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

बेलफास्ट (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में मिली अप्रत्याशित हार के बाद भारतीय टीम के सामने अब सीरीज बचाने की बड़ी चुनौती है। रविवार को बेलफास्ट में खेले जाने वाले दूसरे और अंतिम मुकाबले में कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम जीत दर्ज कर श्रृंखला बराबर करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। पहले मैच में आयरलैंड ने 34 रन से जीत हासिल कर इतिहास रच दिया था। यह किसी भी प्रारूप में भारत के खिलाफ उसकी पहली जीत रही। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए विश्व चैंपियन भारतीय टीम 148 रन पर सिमट गई और उसके शीर्ष क्रम का प्रदर्शन पूरी तरह निराशाजनक रहा।

श्रेयस अय्यर के लिए यह मुकाबला कई मायनों में खास था। लगभग 963 दिनों बाद उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की और पहली बार इस प्रारूप में भारत की कप्तानी संभाली, लेकिन शुरुआत उम्मीद के अनुरूप नहीं रही। अब उनकी कोशिश होगी कि इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से पहले टीम जीत के साथ आत्मविश्वास हासिल करे।

भारतीय बल्लेबाजी पहले मुकाबले में पूरी तरह बिखर गई। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने केवल 19 गेंदों में अर्धशतक लगाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें किसी बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। जैसे ही अभिषेक आउट हुए, भारतीय पारी लड़खड़ा गई। संजू सैमसन केवल चार गेंद खेलकर पवेलियन लौट गए, जबकि ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर भी बड़ी पारी खेलने में असफल रहे। बाद में तिलक वर्मा, वॉशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे भी बढ़ते रनगति के दबाव में टीम को संभाल नहीं सके।

आयरलैंड के युवा तेज गेंदबाजों ने शानदार अनुशासन के साथ गेंदबाजी की। पदार्पण कर रहे जय मूंद्रा ने अपनी पहली ही गेंद पर संजू सैमसन का विकेट लेकर भारतीय खेमे को झटका दिया। वहीं मैट हॉलार्ड ने ईशान किशन, श्रेयस अय्यर और वॉशिंगटन सुंदर को आउट कर भारत की वापसी की उम्मीदों को लगभग समाप्त कर दिया। दूसरे मुकाबले में भी भारतीय बल्लेबाजों के सामने आयरलैंड की तेज गेंदबाजी सबसे बड़ी चुनौती रहने वाली है।

हालांकि गेंदबाजी विभाग में भारत को कुछ सकारात्मक संकेत भी मिले। चोट से वापसी कर रहे हर्षित राणा ने चार ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट झटके और प्रभावित किया। अर्शदीप सिंह तथा अक्षर पटेल ने भी अंतिम ओवरों में किफायती गेंदबाजी की। हालांकि वॉशिंगटन सुंदर के एक ओवर में 19 रन और प्रसिद्ध कृष्णा के चार ओवर में 57 रन खर्च करना भारत के लिए महंगा साबित हुआ। कृष्णा का 17वां ओवर, जिसमें 27 रन बने, मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ।

आयरलैंड की ओर से कप्तान लोर्कान टकर ने 50 रन और गैरेथ डेलानी ने 49 रन की उपयोगी पारी खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। पहले मुकाबले की ऐतिहासिक जीत के बाद आयरलैंड का मनोबल काफी ऊंचा है। दूसरी ओर भारतीय टीम न केवल श्रृंखला बराबर करना चाहेगी, बल्कि इंग्लैंड दौरे से पहले अपनी तैयारियों को भी सही दिशा देना चाहेगी। ऐसे में बेलफास्ट का दूसरा मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ऐसा है भारत और आयरलैंड का स्क्वॉड

भारतः श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सुर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, ईशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

आयरलैंडः लोर्कान टकर (कप्तान और विकेटकीपर), रॉस एडेयर, बेन कैलिट्ज़, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, स्टीफन डोहनी, मैथ्यू हंपहरेज, गेविन होई, मैथ्यू हॉलार्ड, लियाम मैकार्थी, जय मूंद्रा, हैरी टेक्टर, टिम टेक्टर, रूबेन विल्सन।

प्रसिद्ध कृष्णा के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड

-3 साल बाद वापसी भी नहीं बदल सकी किस्मत

नई दिल्ली (एजेंसी)। लगभग तीन साल बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के लिए यह वापसी किसी बुरे सपने से कम नहीं रही। आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में वह बेहद महंगे साबित हुए और अपने नाम एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज करा बैठे, जो अब तक दुनिया का कोई भी गेंदबाज नहीं बना पाया था। प्रसिद्ध कृष्णा ने 26 जून को आयरलैंड के खिलाफ चार ओवर में 57 रन खर्च किए और एक भी विकेट हासिल नहीं कर सके। इससे पहले उन्होंने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 28 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुवाहाटी में खेला था, जहां उनके चार ओवर में 68 रन बने थे। इस तरह लगातार दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने कुल 125 रन लुटा दिए, जो इस प्रारूप में किसी भी गेंदबाज द्वारा लगातार दो मुकाबलों में खर्च किए गए सबसे अधिक रन हैं।

बेलफास्ट में कृष्णा की गेंदबाजी शुरुआत से ही लय में नजर नहीं आई। कप्तान श्रेयस अय्यर ने उन्हें 17वां ओवर सौंपा, लेकिन यह फैसला भारत पर भारी पड़ गया। उस ओवर में आयरलैंड के बल्लेबाजों ने 27 रन बटोर लिए। यह ओवर अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आयरलैंड के खिलाफ किसी भारतीय गेंदबाज का सबसे महंगा ओवर बन गया है। आईपीएल में प्रभावशाली प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में वापसी करने वाले प्रसिद्ध कृष्णा से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वह अपनी लेंथ और लाइन पर नियंत्रण नहीं रख सके। उनकी गेंदों का आयरिश बल्लेबाजों ने जमकर फायदा उठाया और भारतीय गेंदबाजी पर दबाव बना दिया।

मैच की बात करें तो आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई और उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत पर आयरलैंड की पहली जीत भी रही। अब दूसरे मुकाबले से पहले टीम प्रबंधन की नजरें गेंदबाजी संयोजन पर रहेंगी और प्रसिद्ध कृष्णा की जगह को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है।

कप्तान श्रेयस अय्यर बोले- अब कोई भी मुकाबला हल्के में नहीं लेंगे

-हार से सबक लेकर वापसी को तैयार टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 34 रन की अप्रत्याशित हार झेलने के बाद भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि यह परिणाम निराशाजनक जरूर है, लेकिन इससे टीम को महत्वपूर्ण सीख भी मिली है। कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में हार का सामना करने वाले अय्यर ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी अब इस अनुभव से सबक लेकर अगले मुकाबले में पूरी तैयारी और नए आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि टीम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में लेने की गलती दोबारा नहीं करेगी। बेलफास्ट में खेले गए मुकाबले में आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम निर्धारित लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई। मैच के बाद अय्यर ने कहा कि शुरुआती ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और स्विंग तथा सीम मूवमेंट का बेहतरीन फायदा उठाकर शुरुआती विकेट भी हासिल किए। हालांकि मध्य ओवरों में टीम अपनी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर सकी, जिसका फायदा आयरलैंड के बल्लेबाजों ने उठाया।

डेम्बेले की तूफानी हैट्रिक से फ्रांस ने नॉर्वे को 4-1 से हराया

-ग्रुप में शीर्ष स्थान के साथ बढ़ाया जीत का सिलसिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के फॉक्सबोरो में खेले गए फीफा विश्व कप के ग्रुप-आई मुकाबले में फ्रांस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नॉर्वे को 4-1 से शिकस्त दी। इस जीत के नायक स्टार स्ट्राइकर उस्मान डेम्बेले रहे, जिन्होंने पहले हाफ में ही हैट्रिक लगाकर मैच का रुख पूरी तरह फ्रांस के पक्ष में मोड़ दिया। उनकी दमदार पारी की बदौलत फ्रांस ने ग्रुप चरण का समापन शीर्ष स्थान पर किया और नॉकआउट दौर में पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रवेश किया। डेम्बेले ने मुकाबले के सातवें, 20वें और 32वें मिनट में गोल दागे। उनके पहले गोल में कप्तान काइलियन एमबाप्पे ने बेहतरीन पास देकर अहम भूमिका निभाई। विश्व कप के इतिहास में पिछले 32 वर्षों के दौरान पहली बार किसी खिलाड़ी ने पहले हाफ में ही हैट्रिक पूरी की है। इससे पहले 1994 विश्व कप में रूस के ओलेग सालेन्को ने कैमरून के खिलाफ शुरुआती 45 मिनट में तीन गोल किए थे। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ डेम्बेले गोल्डन बूट की दौड़ में भी मजबूती से शामिल हो गए हैं, जहां उनका मुकाबला लियोनेल मेसी और टीम के साथी काइलियन एमबाप्पे जैसे दिग्गज खिलाड़ियों से है। मैच के बाद डेम्बेले ने अपनी उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि व्यक्तिगत रिकॉर्ड से अधिक महत्वपूर्ण टीम की जीत और ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करना है। उन्होंने कहा कि अब पूरी टीम का ध्यान अगले मुकाबले पर है और उनका लक्ष्य टूर्नामेंट में जीत का सिलसिला बनाए रखना है।

फ्रांस और नॉर्वे दोनों पहले ही नॉकआउट चरण में जगह पक्की कर चुके थे, लेकिन इस मुकाबले से ग्रुप विजेता का फैसला होना था। फ्रांस ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और नॉर्वे को संभलने का मौका नहीं दिया। डेम्बेले के दूसरे गोल के तुरंत बाद थैलो आसगार्ड ने केवल 14 सेकंड के भीतर गोल कर नॉर्वे की वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन डेम्बेले ने कुछ ही मिनट बाद अपना तीसरा गोल कर फ्रांस की दो गोल की बढ़त फिर से बहाल कर दी। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में डेसिरे डोउ ने चौथा गोल दागकर फ्रांस की जीत को और शानदार बना दिया। डेम्बेले ने 65वें मिनट तक मैदान पर रहते हुए चार गोल वाले खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम और मजबूत किया। इसके बाद उनकी जगह ब्रैडली बारकोला को मैदान पर उतारा गया।

स्पेन की जीत से उरुग्वे का टूटा विश्व कप सपना, ग्रुप चरण से ही बाहर हुई दो बार की चैंपियन टीम

नई दिल्ली । विश्व कप फुटबॉल में स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उरुग्वे को 1-0 से हराकर नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। मैक्सिको के गुआडालाजारा में खेले गए इस मुकाबले में स्पेन ने अवसर का पूरा फायदा उठाया, जबकि दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे एक भी जीत दर्ज किए बिना टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इस हार के साथ दक्षिण अमेरिकी टीम का अभियान निराशाजनक अंदाज में समाप्त हो गया। ग्रुप एच में स्पेन ने सात अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। अब अगले दौर में उसका मुकाबला ग्रुप जे में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम, ऑस्ट्रिया या अल्जीरिया, से होगा। दूसरी ओर उरुग्वे पूरे ग्रुप चरण में जीत का स्वाद नहीं चख सका और केवल दो अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। अंक तालिका में पिछड़ने के कारण वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में भी जगह नहीं बना पाया और प्रतियोगिता से बाहर हो गया। फीफा रैंकिंग में 19वें स्थान पर मौजूद उरुग्वे इस विश्व कप से बाहर होने वाली अब तक की सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम बन गई। मुकाबले का एकमात्र गोल स्पेन के एलेक्स बाएना ने 42वें मिनट में किया। उन्होंने पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से शॉट लगाया, जिसे अनुभवी गोलकीपर फर्नांडो मुसलेरा रोकने में असफल रहे। यह ऐसा मौका था, जिसे सामान्य परिस्थितियों में बचाया जा सकता था। टूर्नामेंट के दौरान मुसलेरा की यह लगातार तीसरी बड़ी गलती रही। उनके निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए मुख्य कोच मार्सेलो बिएल्सा ने हाफ टाइम के बाद उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया। ग्रुप एच से स्पेन के अलावा केप वर्दे ने भी अंतिम-16 में जगह बनाई। केप वर्दे ने सऊदी अरब के खिलाफ गोलरहित मुकाबला खेलते हुए लगातार तीसरा ड्रॉ दर्ज किया और तीन अंकों के साथ अगले दौर में पहुंच गया।

भारत-इंग्लैंड टी-20 सीरीज : कोल्स से टीम इंडिया को रहना होगा सावधान

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 1 जुलाई से होने वाली टी20 सीरीज में युवा खिलाड़ी जेम्स कोल्स से सावधान रहना होगा। भारतीय टीम इस दौरे में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। इंग्लैंड की टीम में इस बार नये खिलाड़ी के तौर पर केवल कोल्स को रखा गया है। कोल्स दाएं हाथ के मध्य क्रम के बल्लेबाज हैं और स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। वह घरेलू क्रिकेट में पिछले एक साल से लगातार बेहतर प्रदर्शन करते आ रहे हैं। इस साल की शुरुआत में द हंड्रेड नीलामी में उन्होंने सदर्न ब्रेव की ओर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्हें टीम ने सबसे अधिक कीमतों में खरीदा था। हाल ही में ससेक्स के लिए काउंटी चैंपियनशिप के एक मैच में नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए इस युवा ने नाबाद 224 रन की शानदार पारी खेली थी। इस क्रिकेटर ने काउंटी के अलावा इस साल की शुरुआत में एसए 20 लीग में काव्या मारन की मालिकाना अधिकार वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए भी खेला था जहां उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड पुरुष टीम के मौजूदा राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नॉर्थ ने कोल्स की जमकर सराहना की है। नॉर्थ ने कहा कि जेम्स कोल्स एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्होंने इंग्लैंड लायंस के साथ-साथ देश-विदेश की टी-20 प्रतियोगिताओं में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। कोल्स का क्रिकेट करियर काफी प्रभावशाली रहा है, भले ही वह अभी युवा हैं। ससेक्स के लिए खेलते हुए, उन्होंने अब तक 58 फर्स्ट-क्लास, 24 लिस्ट-ए और 71 टी-20 मैच खेले हैं। सबसे छोटे प्रारूप टी-20 में, उन्होंने 61 पारियों में 146.37 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 1,373 रन बनाए हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। गेंदबाजी में भी, उन्होंने 56 पारियों में 59 विकेट लेकर अपनी ऑलराउंड क्षमता साबित की है।

भारत / पाकिस्तानः भारत ने पाकिस्तान पर बरसाए 7 गोल, FIH प्रो लीग में दर्ज की एकतरफा जीत

स्पोर्ट्स डेस्क। FIH प्रो लीग 2025-26 में भारतीय हॉकी टीम ने एक बार फिर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। लंदन में खेले गए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 7-1 से रौंदते हुए लगातार दूसरी बार हराया। शुरुआती झटके के बावजूद टीम इंडिया ने शानदार वापसी की और मैच पर पूरी तरह कब्जा जमा लिया। यह प्रो लीग में भारत की लगातार चौथी जीत रही, जबकि पाकिस्तान की टीम अब तक अपने सभी 15 मुकाबले हार चुकी है।

पाकिस्तान ने की तेज शुरुआत, भारत ने पलट दिया मुकाबला

पहले क्वार्टर में भारत को तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम कोई भी मौका भुना नहीं सकी। दूसरी ओर पाकिस्तान ने अपना पहला ही पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदल दिया। 13वें मिनट में अबू महमूद ने गोल कर पाकिस्तान को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि दूसरे क्वार्टर में भारत ने शानदार वापसी की। 20वें मिनट में सुखजीत सिंह ने बराबरी का गोल किया। इसके बाद 26वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल दागकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने मचाया गोलों का तूफान

तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने पाकिस्तान की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। 32वें मिनट में हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। इसके बाद 35वें मिनट में जुगराज सिंह और 41वें मिनट में अभिषेक ने लगातार गोल कर स्कोर 5-1 कर दिया। पाकिस्तान संभल भी नहीं पाया था कि 44वें मिनट में राज कुमार पाल ने एक और गोल दागकर भारत की बढ़त 6-1 कर दी।

दिलप्रीत ने लगाया आखिरी गोल, भारत ने 7-1 से दर्ज की धमाकेदार जीत

मैच के अंतिम क्वार्टर में भी भारतीय टीम का दबदबा कायम रहा। 53वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने शानदार फिनिश करते हुए भारत का सातवां गोल दागा। इसके साथ ही टीम इंडिया ने 7-1 की बड़ी जीत दर्ज कर पाकिस्तान को पूरी तरह मैच से बाहर कर दिया।

पाकिस्तान पर भारत का लगातार दबदबा कायम

भारतीय हॉकी टीम पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान पर पूरी तरह हावी रही है। साल 2016 के बाद से भारत सीनियर और जूनियर स्तर पर पाकिस्तान से कोई मुकाबला नहीं हारा है। हाल ही में जापान में खेले गए अंडर-18 एशिया कप में भी भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से हराकर अपना दबदबा कायम रखा था। अब एफआईएच प्रो लीग में भी टीम इंडिया ने लगातार दूसरी जीत दर्ज कर अपनी श्रेष्ठता एक बार फिर साबित कर दी।

टी20 ब्लास्ट 2026 के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर नॉट्स आउटलॉज टीम से खेलेंगे आमिर

लंदन । विवादों में रहे पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर अब टी20 ब्लास्ट 2026 के बाकी बचे मैचों के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर पर नॉट्स आउटलॉज टीम से खेलेंगेहैं। आमिर को ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद ही घरेलू खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया है। इससे अब ये तेज गेंदबाज अपने क्रिकेट करियर की नई पारी शुरु कर रहा है। आमिर को एक समय पाक का एक बेहतरीन तेज गेंदबाज माना जाता था पर स्पॉट फिक्सिंग मामले के चलते उन्हें झटका लगा और पाक क्रिकेट में उनका करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया। वहीं अब ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आमिर का काउंटी क्रिकेट में विदेशी खिलाड़ी के वर्ग में नहीं गिना जाएगा जिससे इंग्लैंड की ओर से उनके पास अब घरेलू क्रिकेट में भी खेलने के कई अवसर हैं। नॉटिंघमशायर ने आमिर के साथ करार किसे जाने को सही बताया है। साथ ही कहा कि 34 वर्षीय आमिर ब्लास्ट अभियान के बाकी बचे मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे जिसमें नॉकआउट चरण भी शामिल है।

हार के बीच भी अभिषेक शर्मा ने रचा विश्व रिकॉर्ड : टी20 में ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली । आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भले ही भारतीय टीम को 34 रन से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से ऐसा विश्व रिकॉर्ड बना दिया, जो अब तक टी20 क्रिकेट में कोई भी खिलाड़ी नहीं बना सका था। बेलफास्ट में खेली गई उनकी तूफानी पारी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने महज 19 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर इतिहास रच दिया और फुल मेंबर देशों की ओर से खेलते हुए टी20 क्रिकेट में 20 या उससे कम गेंदों में पांच बार अर्धशतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। 25 वर्षीय अभिषेक शर्मा ने इस उपलब्धि के साथ कई दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले युवराज सिंह, डेविड वॉर्नर, फिल साल्ट, कॉलिन मुनरो, दासुन शनाका और फिन एलन जैसे विस्फोटक बल्लेबाज अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में केवल तीन-तीन बार ही 20 या उससे कम गेंदों में अर्धशतक लगाने का कारनामा कर पाए थे। अभिषेक ने पांचवीं बार यह उपलब्धि हासिल कर इस सूची में सबसे ऊपर अपना नाम दर्ज करा लिया।

आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले में अभिषेक शुरू से ही आक्रामक अंदाज में नजर आए। उन्होंने तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों पर बेखौफ होकर प्रहार किए और केवल 19 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। पारी के आठवें ओवर में डीप मिडविकेट की दिशा में शानदार पुल शॉट लगाकर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि पर भारतीय ड्रेसिंग रूम में मौजूद खिलाड़ियों ने खड़े होकर तालियों के साथ उनका स्वागत किया। इस पारी के साथ अभिषेक आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए। इस सूची में शीर्ष स्थान स्टीफन मायबर्ग के नाम है, जिन्होंने 2014 में 17 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। दूसरे स्थान पर लिटन दास हैं, जिन्होंने 2023 में 18 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब अभिषेक शर्मा 19 गेंदों में अर्धशतक लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

हालांकि शानदार शुरुआत के बावजूद अभिषेक अपनी पारी को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। अर्धशतक पूरा करने के तीन गेंद बाद ही वह 20 गेंदों में 50 रन बनाकर आउट हो गए। उनकी पारी में सात चौके और दो लंबे छक्के शामिल रहे। आयरलैंड के तेज गेंदबाज लियाम मैक्कार्थी ने उन्हें डीप मिडविकेट पर कैच कराकर अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल किया। भारतीय टीम के अन्य बल्लेबाज अभिषेक का साथ नहीं दे सके और लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे। परिणामस्वरूप 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी टीम 148 रन पर सिमट गई और आयरलैंड ने पहली बार भारत को टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। हालांकि टीम को हार मिली, लेकिन अभिषेक शर्मा की रिकॉर्डतोड़ पारी भारतीय क्रिकेट के लिए इस मुकाबले की सबसे बड़ी सकारात्मक उपलब्धि बनकर उभरी।

वैभव सूर्यवंशी को लेकर अश्विन की दोटूक राय, बोले- हाइप नहीं, प्रदर्शन के दम पर मिले टीम में जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में शामिल नहीं किए जाने पर लगातार बहस जारी है। क्रिकेट प्रशंसकों और कई पूर्व खिलाड़ियों ने इस फैसले पर अलग-अलग राय दी है। इसी बीच भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इस पूरे मुद्दे पर संतुलित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि टीम प्रबंधन ने परिस्थितियों के अनुसार सही फैसला लिया है और किसी खिलाड़ी को केवल लोकप्रियता या चर्चा के आधार पर टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिए। अपने यूट्यूब कार्यक्रम में अश्विन ने कहा कि भारतीय टीम किसी एक खिलाड़ी को ध्यान में रखकर नहीं बनाई जाती, बल्कि टीम के संतुलन और प्रदर्शन को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने याद दिलाया कि मुख्य कोच गौतम गंभीर भी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि टीम में सुपरस्टार संस्कृति के बजाय टीम फर्स्ट का सिद्धांत अपनाया जाएगा।

अश्विन का मानना है कि मौजूदा समय में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने हाल के समय में अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में केवल वैभव सूर्यवंशी को मौका देने के लिए किसी खिलाड़ी को बाहर करना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में स्थान हमेशा योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर मिलना चाहिए, न कि सोशल मीडिया पर बने माहौल या किसी खिलाड़ी के इर्द-गिर्द बनी चर्चा के कारण। पूर्व ऑफ स्पिनर ने यह भी कहा कि युवा खिलाड़ियों के लिए ड्रेसिंग रूम में रहना, वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ समय बिताना और टीम के माहौल को समझना भी सीखने की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। उनके अनुसार बाहर बैठकर मैच देखना, टीम की सहायता करना और अनुभव हासिल करना किसी भी युवा क्रिकेटर के विकास में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि इसमें किसी प्रकार की शर्म महसूस करने की जरूरत नहीं है।

अश्विन ने माना कि वैभव सूर्यवंशी में असाधारण प्रतिभा है और भविष्य में वह भारतीय क्रिकेट के बड़े खिलाड़ी बन सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल टीम में ओपनिंग स्लॉट खाली नहीं है। उनके अनुसार वैभव को मौका तभी मिलेगा जब किसी मौजूदा सलामी बल्लेबाज का प्रदर्शन लगातार खराब हो या कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाए। उन्होंने कहा कि किसी युवा खिलाड़ी का अंतरराष्ट्रीय पदार्पण केवल इसलिए नहीं कराया जा सकता कि लोग उसे खेलते हुए देखना चाहते हैं। अश्विन ने अंत में विश्वास जताया कि वैभव सूर्यवंशी का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। यदि वह लगातार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से दावेदारी मजबूत करते रहेंगे तो भारतीय टीम में उनकी जगह स्वतः बन जाएगी। फिलहाल उनके लिए धैर्य बनाए रखना और सीखते हुए सही अवसर का इंतजार करना ही सबसे बेहतर रास्ता है।

जानकारी

घर पर करें 30 सेकंड में ये 3 टेस्ट, आपको पता चल जाएगा स्वस्थ हैं या बीमार

हम किसी न किसी कारण के नियमित रूप से अपनी स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते तो हम आपको ऐसे टेस्ट के बारे में बता रहे हैं, जिनके जरिए आप आसानी से पता लगा सकते हैं कि आप बीमार हैं या स्वस्थ। अधिकतर लोग या कहें हम लोग जब तक बीमार नहीं पड़ते, तब तक किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य जांच नहीं कराते। दरअसल जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है ठीक वैसे हमारी इम्युनिटी कमजोर होने लगती है और हम मौसम बदलने पर बीमार होने लगते हैं। बीमार होने के बाद हम मंहगे-मंहगे टेस्ट कराते हैं तब जाकर बीमारी का पता लगा पाते हैं। डॉक्टर हर दो साल में लोगों को फिजिकल चेकअप कराने की सलाह देते हैं, लेकिन हम सलाह कम मानते हैं और देते ज्यादा हैं। ऐसा करने वाले लोग वर्षों तक अपना मेडिकल टेस्ट नहीं कराते और उनका शरीर रोगों का घर बन जाता है।

अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जो किसी न किसी कारण के नियमित रूप से अपनी स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते तो हम आपको ऐसे टेस्ट के बारे में बता रहे हैं, जिनके जरिए आप आसानी से पता लगा सकते हैं कि आप बीमार हैं या स्वस्थ। इन टेस्ट को करने में सिर्फ आपको 30 सेकंड ही लगेंगे, लेकिन ध्यान रखें कि सटीक रिपोर्ट के लिए आप मेडिकल जांच ही कराएं।

हाथों की उंगलियों से जानें स्वास्थ्य

नाखून की जड़ को दबाएं: इस टेस्ट को करने के लिए सबसे पहले आप अपने दाहिने अंगूठे और तर्जनी उंगली से अपने किसी भी नाखून की जड़ को दबाएं। ऐसा करते वक्त आप अपने बाएं हाथ की उंगलियों के ऊपरी हिस्से पर दबाव डालें। ऐसा अपने बाए हाथ के अंगूठे से शुरू करें। अंगूठे को 3 से 5 सेकंड तक पकड़कर रखें। अंगूठे के बाद सभी उंगलियों के साथ इस प्रक्रिया को दोहराएं। इस प्रक्रिया को होने के बाद हाथ को देखें। अगर दबाव के बाद आपकी उंगली का ऊपरी हिस्सा दो सेकंड में सफेद से लाल नहीं हुआ तो समझ लीजिए कि आपके शरीर में रक्त प्रवाह पर्याप्त नहीं हो रहा है।

उंगली के हिसाब से जानें समस्या

अंगूठा: अगर आपको अंगूठे का नाखून दबाने से दर्द हो रहा है, तो यह इस बात का संकेत है कि आपको फेफड़ों की समस्या हो सकती है।

तर्जनी: तर्जनी उंगली आपकी बड़ी आंत से जुड़ी होती है। अगर आपको इस उंगली को दबाने से दर्द होता है तो यह बड़ी आंत में दिक्कत की ओर संकेत करता है। इसके कारण आपको कब्ज की शिकायत हो सकती है।

बीच वाली उंगली और अनामिका: बीच वाली उंगली और अनामिका में दर्द हृदय संबंधी समस्याओं की ओर इशारा करता है।

छोटी उंगली: आपके हाथ की सबसे छोटी उंगली में दर्द आपकी छोटी आंत की परेशानी की ओर संकेत करता है।

मुट्ठी बनाकर देखें नसें स्वस्थ हैं या नहीं

इस दूसरे टेस्ट को करने के लिए सबसे पहले आप मुट्ठी बना लें। मुट्ठी को 30 सेकंड के बाद खोलें। हाथ खोलने पर आपको आपकी मुट्ठी सफेद दिखाई देगी। हाथ खोलने के तुरंत बाद अगर आपके हाथ का रंग सफेद से लाल होना शुरू हो जाए तो इसका मतलब ये है कि आपकी रक्त वाहिकाएं सही काम कर रही हैं और आप पूरी तरह से स्वस्थ हैं, लेकिन अगर ऐसा होने में वक्त लग रहा है तो आपकी धमनियों में कुछ परेशानी है। दरअसल मुट्ठी बनाने से रक्त वाहिकाओं पर दबाव पड़ता है और रक्त प्रवाह रुक जाता है और जैसी ही आप हाथ खोलते हैं तो आपका रक्त प्रवाह फिर लौटना शुरू हो जाता है।

अगर हम किसी फुटबॉल खिलाड़ी या किसी भी खिलाड़ी को देखते हैं, तो उसकी हृष्ट-पुष्ट जांघ उसके शरीर की मजबूती का प्रतीक मानी जाती है। यह सच है कि मजबूत जांघ, मजबूत और स्वस्थ शरीर का प्रतीक होती है। हम भी योगासनों से जांघों को हृष्ट-पुष्ट बना सकते हैं, किंतु यह प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में होना चाहिए। आइए जानते हैं पांच योगासनों के बारे में जो जांघ मजबूत करते हैं–

जांघ मजबूत करने के लिए उपयोगी हैं ये आसन

एक बहुत आसान पोज, जो आपकी कमर को राहत देकर आपके कूल्हों और पैरों को वर्कआउट के लिए वार्मअप करता है। इसे ऐसे करें-

- चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं।
- प्रत्येक पैर को जांघ के बाहर की ओर से पकड़ें।
- पैरों को बीच में पकड़ें, जहां आर्क है, ज्यादातर लोगों के लिए ज्यादा सुविधाजनक होता है।
- अपने चेहरे की मांसपेशियों को ढीला छोड़ें और लंबी सांस लेकर इस पोज में एक मिनट तक रहें।

सुप्त बद्ध कोणासन

यह कूल्हों को गतिशील करने के लिए अच्छा पोज है। इस पोज से भी जांघ की अंदरुनी मांसपेशियां मजबूत होती हैं। एक सावधानी बरतें कि लंबी सांस पर ध्यान केंद्रित करें और आप पाएंगे कि आप पैर ज्यादा खोल पाते हैं और ज्यादा देर तक उस पोज में भी रह सकते हैं।

- चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं। अपनी बांहों को बगल में शरीर से 45 डिग्री के कोण पर रखें।
- पैरों को घुटने के पास मोड़ें और पैर के तलुओं को नमस्ते के अंदाज में जोड़ने की कोशिश करें।
- अपनी एड़ियों को ग्रोइन के ज्यादा से ज्यादा पास लाने की कोशिश करें, इस दौरान चेहरे या शरीर में तनाव नहीं होना चाहिए।
- ध्यान रखें आपका सिर सीधा होना चाहिए। आंखों को बंद रखें, यह आपको सुस्ताने में मदद करेगा।
- इस पोज में एक मिनट तक रहें और लंबी गहरी सांसें लेना न भूलें।

उपविष्ठ कोणासन

बैठने वाली पोजिशन पैर की कुछ मांसपेशियों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। यह खड़े होकर की जाने वाली पोजिशन के लिए भी अच्छी शुरुआत की तरह होती हैं, जिसमें मजबूती, लचीलेपन और संतुलन की दरकार होती है।

- चटाई पर बैठकर पैरों को तीन से चार फीट चौड़ाई तक फैला लें।
- अब अपने हाथों को चटाई पर रखें। अपने हाथों से जितना हो सके आगे जाएं।
- अपने सिर, गर्दन को पीठ की सीध में रखें।
- इस पोज में लंबी सांस लें। आराम से धीरे-धीरे हर सांस के साथ जमीन की ओर झुकते रहें।
- इस पोज में जितनी देर आराम से रह सके रहें, लेकिन एक मिनट से ज्यादा नहीं।
- पोज से बाहर निकलने के लिए हाथों को धीरे-धीरे वापस लाएं।

परिघासन

- आपकी कमर को बेहतरीन खिंचाव देने के अलावा यह पोज जांघों और ग्रोइन की मांसपेशियों को खोलकर उनका लचीलापन बढ़ाती है।
- चटाई पर घुटनों के बल बैठिए। अपनी एड़ियों को साथ रखें। पैरों की अंगुलियां जमीन पर और पीठ सीधी।
- दाएं पैर को अपनी दाईं ओर जितना हो सके स्ट्रेच करें। घुटना छत की ओर होना चाहिए।
- दाएं पैर के तलुए को जमीन पर रखें।
- अब अपनी दोनों बांहों को सिर के ऊपर ऊठाएं और सीधा रखें।
- धड़ और दाईं बांह को लंबे किए हुए दाएं पैर की तरह झुकाएं।
- दाएं हाथ को दाएं पैर पर रखें। (संभव हो तो दाईं कलाई को दाईं एड़ी पर रखें)
- अपनी हथेली का मुंह छत की तरफ करें।
- अब अपनी बाईं बांह को सिर के ऊपर से दाईं ओर लाएं, जो लोग लंबी अवधि से योगा करते आ रहे हों, वह अपनी बांई हथेली को दाईं हथेली पर रखने की कोशिश कर सकते हैं। इस पोज में आपका बायां कान आपकी बाईं बांह के ऊपरी हिस्से को छूना चाहिए और दायां कान दाईं बांह के ऊपरी हिस्से को।
- इस पोज में कुछ सांसों तक बने रहिए। (तकरीबन 45 सेकंड तक) उसके बाद शुरुआती पोज में आ जाइए।
- आराम कीजिए और समूची प्रक्रिया को बाईं ओर से दोहराइए।

उत्थित त्रिकोणासन

- अंत में एक खड़े होकर किया जाने वाला आसन जो पैर की छोटी मांसपेशियों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। यह शरीर के संतुलन को भी सुधारता है।
- चटाई पर पैर चौड़े करके खड़े हो जाएं।
- दाएं पैर को दाईं तरफ की दीवार की तरफ मोड़ें।
- संतुलन के लिए बाएं पैर को थोड़ा सा दाईं तरफ मोड़ें।
- बांहों को उठाएं। कंधे की ऊंचाई पर लाएं, जब तक कि वह जमीन के समानांतर न हो जाए।
- कमर से दाईं ओर झुकें और दाईं हथेली को पैर पर या जमीन पर (जो भी सुविधाजनक हो) रख दें।
- बाईं बांह को सिर के ऊपर उठाकर सिर को धीरे से बाएं हाथ की ओर मोड़ें।
- इस पोज में 30 से 45 सैकंड तक रहें।
- पैरों को वापस लाते हुए शुरुआती स्थिति में आ जाएं।
- अब इसे दूसरी ओर दोहराएं।
- हर बार सारे आसनों की समाप्ति के बाद पांच मिनट के लिए शवासन करना चाहिए। पीठ के बल लेट जाइए, आंखें बंद कीजिए, शरीर को ढीला छोड़ दें। सिर सीधा रखें। हर मांसपेशी से तनाव को मुक्त कर दें। पैर से लेकर बांह, कंधे, गर्दन और सिर तक। आंखों को बंद रखें। अब करवट लेकर उठकर बैठ जाएं। हथेलियों को रगड़कर गर्म करें। फिर उन्हें आंखों पर रख दें। हथेलियों को हटाए बगैर आंखों को धीरे-धीरे खोलें। हाथ नीचे करें और दिन की शुरुआत सकारात्मक ऊर्जा के साथ करें।

सेहत

ज्यादा नमक खाने से पड़ता है दिमाग पर बुरा असर

याददाश्त ही नहीं बुद्धि भी होती है कमजोर

क्या आप जानते हैं कि अधिक नमक का सेवन करने से दिमाग में खून का प्रवाह 25 फीसदी तक कम हो जाता है? हाल ही में हुए एक शोध में पता चला है कि ज्यादा नमक युक्त आहार का सेवन करने से बुद्धिमत्ता में कमी आ सकती है। एक हालिया शोध में यह दावा किया गया है। दिमाग में टाउ प्रोटीन की मात्रा बढ़ने से याददाश्त कमजोर होती है और बुद्धिमत्ता में कमी आ सकती है।

अल्जाइमर का कारण होता है टाउ प्रोटीन

शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने व्यवहारात्मक, सेरिब्रोवस्कुलर और मोलिक्युलर स्तर पर परीक्षण किया। इसमें पाया गया कि ज्यादा नमक का सेवन करने वाले चूहों में नाइट्रिक ऑक्साइड की मात्रा कम थी जिससे दिमाग में टाउ प्रोटीन की मात्रा ब? गई थी। टाउ का अधिक स्तर अल्जाइमर का कारण माना जाता है।

डिमेंशिया का सबसे प्रमुख कारण है नमक

न्यूयॉर्क स्थित फिल फैमिली ब्रेन एंड माइंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर डॉक्टर गिउसेप्पे फरको इस शोध के प्रमुख शोधकर्ता हैं। इस शोध को जर्नल नेचर न्यूरोसाइंस ट्रस्टेड सोर्सेज में प्रकाशित किया गया है। डॉक्टर फरको ने कहा कि ज्यादा नमक के सेवन और खराब दिमाग की कार्यक्षमता के बीच हमेशा से ही संबंध रहा है और ज्यादा नमक का सेवन करना डिमेंशिया का सबसे प्रमुख कारण है।

चूहों पर किया गया अध्ययन

पूर्व में शोधों में शोधकर्ताओं को पता चला कि ज्यादा नमक के सेवन से चूहों में डिमेंशिया के लक्षण दिखने लगे। नमक ऐसे अणुओं का तेजी से उत्पादन करता है, जिससे शरीर में सूजन आती है। इंटरल्यूकिन-17 अणु दिमाग की कोशिकाएं नाइट्रिक ऑक्साइड बनाना कम कर देती हैं। नाइट्रिक ऑक्साइड रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करता है और रक्त के प्रवाह में मदद करता है। हालांकि, नाइट्रिक ऑक्साइड की कमी से रक्त का प्रवाह कम हो सकता है।

चूहों पर किए गए अध्ययन में देखा गया कि ज्यादा नमक वाले आहार का सेवन करने से उनमें आईएल-17 का स्तर बढ़ गया और नाइट्रिक ऑक्साइड का स्तर कम हो गया, जिससे दिमाग में खून का प्रवाह 25 फीसदी तक कम हो गया।

सोडियम की ज्यादा मात्रा नुकसानदायक

शोधकर्ता फरको और उनकी टीम का मानना था कि सोडियम की ज्यादा मात्रा दिमाग में हो रहे रक्त प्रवाह को बाधित कर डिमेंशिया के खतरे को बढ़ाती है, लेकिन, शोध के बाद पता चला कि रक्त के प्रवाह की कमी नहीं, बल्कि टाउ प्रोटीन की मात्रा बढ़ने के कारण याददाश्त में कमी आती है।

शोधकर्ताओं ने आठ हफ्ते के चूहों में से कुछ को सामान्य आहार दिया और कुछ को ज्यादा सोडियम वाला आहार दिया। चार से 36 हफ्तों तक चूहों को आहार दिया गया। इसके बाद वैज्ञानिकों के परीक्षण में पाया गया कि ज्यादा नमक का सेवन करने वाले चूहों में नाइट्रिक ऑक्साइड की मात्रा कम थी, जिससे दिमाग में टाउ प्रोटीन की मात्रा बढ़ गई थी। 04 से 36 हफ्तों तक चूहों को सामान्य और सोडियम वाला आहार दिया गया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु — ये यो भा भी भू
नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3931

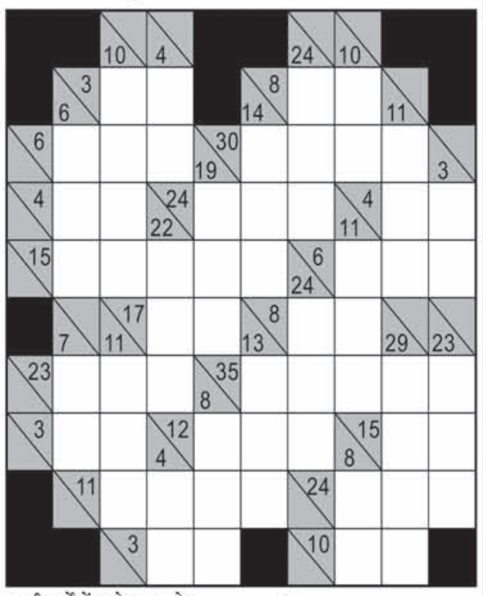

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

11 / 7: 1 2 3 5 ; 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3930 का हल

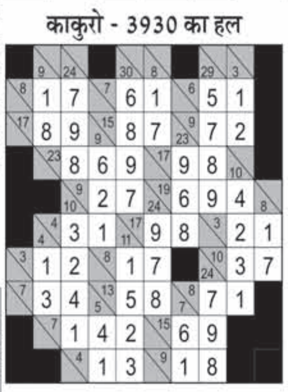

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने होटल के मालिक को कहा-'जनाब ! इस समय आपका बिल चुकाने के लिये मेरे पास पैसे नहीं हैं.'

'फिक्र न करें !' होटल का मालिक बोला-'हम आपका नाम दीवार पर लिख देंगे. आप जब अगली बार आएं तो दे दीजिएगा.'

'मगर ऐसे तो सबको मालूम हो जायेगा !'

'कैसे मालूम होगा श्रीमान जी !' होटल के मालिक शान्त स्वर में बोला -'नाम के ऊपर आपका कोट जो टंगा होगा.'

□ □ □

एक अंग्रेज ने, हिन्दुस्तानी आदमी से कहा कि 'तुम्हारी मूंछ तो बहुत अच्छी है, तुम मुझे यह दे दो मैं तुम्हें मुँह मांगा दाम दूँगा.' यह सुनते ही वह आदमी घर के अंदर गया और अपने सिर के बाल काट के लाकर के अंग्रेज के हाथ में दे दिए. बालों को देखकर अंग्रेज बोला कि 'यह क्या मैंने तो तुम्हारी मूंछ मांगी थी, तुम बाल क्यों ले आए?' अंग्रेज की बात सुनते ही उस व्यक्ति ने कहा कि'माल हमेशा गोदाम से दिया जाता है न कि शोरूम से !'

□ □ □

जज-'तुमने एक ही दुकान में चार बार चोरी क्यों की ?'

चोर-'साहब पहली तीन बार मेरी बीवी को कोई साड़ी पसंद नहीं आई थी, इसलिए !'

फिल्म वर्ग पहेली- 3931

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3930

सूडोकु -3931

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3930 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 3931

बाएँ से दाएँ

1.पदमाकर,कमल सरोवर-5
4.इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6.देवस्थान,मंदिर-2
7.शिव आवास-3
8.उत्तम,सज्जन-2
10.पति,शोहर-3
11.दमकना-4
14.टीस,पीड़ा-3
16.झरने की आवाज-4
17.आशा,इच्छा-2
18.संध्या,शाम-2
19.निराकार,भगवान-4
21.बुझाना,शांति-3
22.अभिप्राय-4
24.आंचल-3
25.घोड़ागाड़ी-2
27.उष्ण-3
28.पिता के पिता-2
29.पंक्ति-3
30.तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे

1.कथा कहने वाला-5
2.चित,जी-2
3.कार्यशाला,यंत्रालय-4
4.माहिर,दक्ष-3
5.आकाश,गगन-2
7.कारावास-2
9.योग्य-3
12.अनुमान,अंदाज-3
13.झगड़ा,कहासुनी-4
15.मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16.पक्षियों का शोर-4
17.राहत, विश्राम -3
18.मुसीबत, आफत -3
20.होशियार, चेतावनी-5
21.नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23.मगरमच्छ-3
24.दर,मूल्य-2
26.भूमि,धरती-2
28.पिता के पिता-2

शब्द पहेली -3930 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी